www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 205 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
17 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:06
सूर्यास्तः 05:37
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार
सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक ... >> पेज 04
आगरा में आंधी-बारिश, योगी ... >> पेज 06
78 की हुई हेमा मालिनी...

अभिजीत दीपके हिरासत में, मैसेज जारी किया, नेहा बोरा समेत 150 प्रदर्शनकारी डिटेन

पुलिस ने रोका सीजेपी का तिरंगा मार्च

कस्टडी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के कनॉट प्लेस में सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' रैली बुलाई थी। हालांकि आसपास इलाके में धारा 163 लागू थी। जिसके चलते CJP फाउंडर अभिजीत दीपके को वहां जाने नहीं दिया गया। दीपके दिल्ली में NCP-SP के एक प्रवक्ता के घर रुके थे। वह जैसे ही बाहर निकले, पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। वहीं AISA अध्यक्ष नेहा बोरा को मंडी हाउस से कस्टडी में लिया गया। 6 दिनों में दीपके को दूसरी बार कस्टडी में लिया गया है।

- हिरासत में लिए जाने से पहले दीपके ने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा- दिल्ली पुलिस से 7-8 पुलिसवाले आए। वे बोले कि आप लोगों को भड़का रहे हैं। आप तिरंगा लहराने जा नहीं सकते। मतलब अपने ही देश में तिरंगा लहराने से मना किया जा रहा है।

इससे पहले 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर प्रदर्शन से पहले दीपके को विमान से हिरासत में लिया गया था, अगले दिन छोड़ दिया गया। कॉकरोच पार्टी के 'तिरंगा लहरा दो' मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस ने 150 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। ममता बनर्जी ने कहा कि अभिजीत दीपके को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हाथ में रखने के लिए हिरासत में लिया गया है। जरा सोचिए, स्वतंत्र भारत में हमारे युवाओं को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का शांतिपूर्ण तरीके से इस्तेमाल करने पर हिरासत में लिया जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)





पुलिस ने लोगों से कानून का पालन करने की अपील की

नई दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने कहा, जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक BNSS की धारा 163 लागू है। इसलिए, हम सभी से कानून का पालन करने की अपील करते हैं।

पूरे सेंट्रल दिल्ली की किलेबंदी

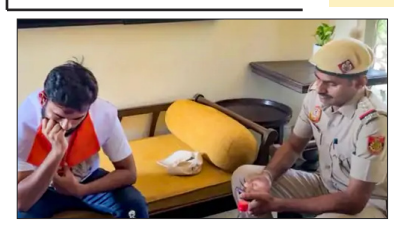
दिल्ली पुलिस शुक्रवार को पूरी तरह से तैयार है। कनॉट प्लेस और सेंट्रल पार्क के साथ साथ पूरे सेंट्रल दिल्ली की किलेबंदी कर दी गई है। इस पूरे इलाके में दिल्ली पुलिस के 6,000 से ज्यादा जवान तैनात किए गए हैं। CAPF की 220 कंपनियां पूरी तरह से रेडी हैं। सेंट्रल पार्क और राजीव चौक के आसपास 10 से ज्यादा नए CCTV कैमरे लगाए गए हैं। कनॉट प्लेस, राजीव चौक, सेंट्रल पार्क, जंतर-मंतर, पालिका बाजार समेत दिल्ली के अहम इलाकों में पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स पूरी तरह से मुस्तैद है। वहीं सेंट्रल पार्क के अंदर 7 लेयर की सिक्योरिटी की गई है। दूसरे जिलों से भी अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है।



AISA अध्यक्ष नेहा बोरा मंडी हाउस में प्रदर्शन करने गई थीं। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

संसद मार्ग समेत कई जगह बैरिकेड

सामने आई जानकारी के अनुसार, 5 हजार के करीब पुलिसकर्मी रिजर्व रखे गए हैं। पुलिस ने कॉनॉट प्लेस, पटेल चौक, ITO और संसद मार्ग समेत कई जगह बैरिकेड लगाए हैं। CJP के प्रोटेस्ट को देखते हुए NDMC ने सेंट्रल पार्क को आज कल के लिए बंद कर दिया है। पुलिस ने ये भी कहा है कि अगर प्रदर्शनकारी चाहें तो उन्हें दूसरी जगह पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रगान गाने की अनुमति देने पर विचार किया जा सकता है।



अभिजीत दीपके दिल्ली में NCP-SCP के प्रवक्ता अनीश गावंडे के घर रुके थे। पुलिस उन्हें प्रदर्शन न करने के लिए समझाने गई थी।

अभिजीत दीपके जहां ठहरे हुए थे, पुलिस वहां पहुंची थीं। दीपके और पुलिस की बहस भी हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीपके ने कहा था कि आप अपनी मर्जी से जो मन में आ रहा है, वही लिख रहे हैं। यह बेतुका है। फांसी पर चढ़ा दो ना। क्या मजाक है ये? कॉकरोच जनता पार्टी के अनुसार, यह कार्रवाई दिखाती है कि प्रशासन को किसी अव्यवस्था से नहीं, बल्कि आम नागरिकों के हाथों में तिरंगे की शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ताकत से डर है।

सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणी मामले में संजय राउत को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत से CJI सूर्यकांत पर टिप्पणियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा। राउत ने चुनाव आयोग के कामकाज और SIR के मुद्दे पर INDIA ब्लॉक के नेताओं से मिलने से इनकार करने पर CJI की आलोचना की थी। पत्रकार निखिल वागले को भी नोटिस जारी किया है।

यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) की आपराधिक अवमानना याचिका पर हुई है। कोर्ट ने कहा कि संस्थानों पर हमले अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। दोनों से पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सांसद संजय राउत और निखिल वागले को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी है। बेंच पहले उनके जवाब पर विचार करेगी।

यूपी में आंधी-बारिश राजस्थान में ओले भी गिरे

केदारनाथ-बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब में बर्फबारी

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । यूपी में शुक्रवार सुबह से आगरा, मथुरा और हाथरस समेत 5 शहरों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम खराब होने के चलते मथुरा के सभी स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी। मौसम विभाग ने आज 37 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से मौसम बदल गया है। गुरुवार को 7 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश और ओले गिरने से तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है।



- दिल्ली -एनसीआर में गुरुवार को भारी बारिश से सड़कें डूब गईं।

आज भी 7 जिलों में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। उत्तराखंड के 8 जिलों में आज बारिश का अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को केदारनाथ, चोपता, हेमकुंड साहिब और बद्रीनाथ के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रेमी को भी फांसी, मेरठ कोर्ट ने 3 दिन में 4 दोषियों को मौत की सजा दी

पति को सांप से डसवाने वाली रविता को फांसी

सजा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । पति की हत्या करके सांप से डसवाने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को वारदात के 547 दिन बाद मेरठ जिला कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है।

शुक्रवार को सजा सुनाने से पहले कोर्ट ने रविता और अमरदीप का पक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुना। जज ने दोनों से पूछा- तुम दोनों को हत्या का दोषी ठहराया गया है। क्या सजा चाहते हो? रविता ने कहा-मेरे 3 छोटे-छोटे बच्चे हैं। उनका ख्याल रखा जाए। फिर वह चुप हो गई। जज ने फैसले में सती सावित्री का जिक्र किया। कहा- 'पति की लंबी उम्र के लिए पत्नी करवाचौथ का व्रत करती है, लेकिन यहां प्रेमी के साथ ये कृत्य किया जो माफी लायक नहीं है।' जज ने इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर माना और पेन तोड़कर फेंक दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)



- मेरठ में चौधरी चरण सिंह जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद रविता और अमरदीप रो रहे थे। फिलहाल दोनों को उनकी पुरानी बैरक में रखा गया है। कोर्ट के फैसले की कॉपी मिलते ही उन्हें सजायाफ्ता कैदियों की बैरक में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

फास्ट न्यूज

महाराष्ट्र में पटाखे पूरे साल बैन, बनाने-बेचने पर रोक नहीं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर लगी रोक पूरे साल लागू कर दी। यह रोक नवरात्रि, दिवाली, क्रिसमस और अन्य सभी त्योहारों पर लागू होगी।

सुरक्षा निर्देश

सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा पर अफसरों को चेतावनी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़क पार करने वाले लोगों की सुरक्षा के मामले में अधिकारियों को चेतावनी दी। कोर्ट ने कहा कि अगर काम पूरा नहीं हुआ, तो दोनों जज दिल्ली हाईकोर्ट के गेट पर धरने पर बैठ जाएंगे और काम पूरा होने तक घर नहीं जाएंगे।

कोर्ट ने यह भी कहा कि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (ASG) बनर्जी को भी घर नहीं जाने दिया जाएगा। यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट के पास सड़क पार करने वाले लोगों की सुरक्षा से जुड़ा है।

रात में सूरज की रोशनी बेचने की तैयारी

वॉशिंगटन । अमेरिकी स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल रात में धरती के चुनिंदा स्थानों पर सूरज की रोशनी बेचने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पृथ्वी की कक्षा में बड़े शीशे लगाए जाएंगे। कैलिफोर्निया की यह स्टार्ट-अप भारत की स्काईरूट एयरोस्पेस की मदद से सैटेलाइट लॉन्च करेगी।

सरकार इस महीने संसद का स्पेशल सेशन बुला सकती है

लोकसभा सीटें बढ़ाने और परिसीमन बिल पेश करने का अनुमान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार इसी महीने संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। इसमें लोकसभा सीटें बढ़ाने के लिए संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल को पास कराया जाएगा। इनके जरिए महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। 6 महीने (16 और 17 अप्रैल) पहले सरकार पहले प्रयास में कामयाब नहीं रही थी और लोकसभा में दो तिहाई बहुमत जुटा नहीं पाई थी। अब कहा जा रहा है कि सरकार ने संख्याबल जुटा लिया है। विशेष सत्र बुलाने से करीब एक हफ्ते पहले इसकी सूचना दी जा सकती है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को खत्म हुआ था, लेकिन इसका अब तक सत्रावसान नहीं किया गया है। लोकसभा में 543 सांसद हैं। 3 सीटें खाली हैं। बिल को पास कराने के लिए दो-तिहाई यानी 360 वोट चाहिए। अगर डीएमके के 22 सांसद बिल का समर्थन करते हैं तो बिल के समर्थन में 340 सांसद हो जाएंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)



- लोकसभा में 20 और राज्यसभा में 9 सांसदों की जरूरत

योगी बोले-आज बड़ी रामलीलाएं हो रहीं, पहले दंगे होते थे, ये शिक्षा की नौका डुबोने वाले लोग

सपा ने राज्यसभा टिकट धन्नासेठ को गिरवी रखा : सीएम योगी

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाजियाबाद में अखिलेश का बिना नाम लिए कहा- राज्यसभा चुनाव में सपा ने कैसे टिकट बेचने का काम किया है, आपने देखा है। वे दो या तीन सीटों पर लड़ सकते थे। लेकिन, मैं पहले दिन से कह रहा था कि सपा के PDA का मतलब- परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी।

उन्होंने अपना पहला टिकट चचाजान को दिया। भाजपा ने कहा था- PDA का मतलब- पराया धन अपना। ऐसे में उन्होंने दूसरा टिकट मुंबई के धन्नासेठ को गिरवी रख दिया। यही है इनकी असलियत।

>> (शेष पेज 06 पर)



'सपा ने मुंबई के धन्नासेठ को राज्यसभा टिकट गिरवी रख दिया'

योगी ने कहा- राज्यपाल चुनाव में सपा ने कैसे टिकट बेचने का काम किया है, आपने देखा है। वे दो या तीन सीटों पर लड़ सकते थे। लेकिन, मैं पहले दिन से कह रहा था कि सपा के PDA का मतलब- परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी। उन्होंने अपना पहला टिकट चचाजान को दिया। भाजपा ने कहा था- PDA का मतलब- पराया धन अपना। ऐसे में उन्होंने दूसरा टिकट मुंबई के धन्नासेठ को गिरवी रख दिया। यही है इनकी असलियत।

'आज यूपी के अधिकतर जिले में एक मेडिकल कॉलेज है'

योगी ने कहा- अलीगढ़, मुरादाबाद, आजमगढ़, बलरामपुर, मिर्जापुर और सहारनपुर में विश्वविद्यालय नहीं थे, इन जगहों पर विश्वविद्यालय बनवाया। खेल विश्वविद्यालय मेरठ में बनवाया। गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय, कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय बनवाया।

सपा

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली पार्टी है। शिक्षा की नौका को डुबोने वाली सपा पर विश्वास नहीं किया जा सकता। आजम खान विश्वविद्यालय बनाएगा तो उनके लिए सपा सरकार में दूसरे मानक थे। लेकिन, अगर ग्लोबल यूनिवर्सिटी बनने का प्रयास कर रही है तो उसे मान्यता नहीं देते थे।

आदेश : कहा- किसी के लिए प्रदर्शन जरूरी, किसी के लिए मूंगफली बेचना

सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी का प्रदर्शन रोकने से इनकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के व्यापारियों की याचिका पर तत्काल आदेश देने से इनकार कर दिया। याचिका में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित होने की आशंका जताई गई थी। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने प्रदर्शन से जुड़ी अन्य याचिकाओं का जिक्र करते हुए कहा, "कोई प्रदर्शन करना चाहता है, कोई मूंगफली बेचना चाहता है, कोई कानून-व्यवस्था चाहता है, ये सभी बातें आपस में जुड़ी हैं।" कॉकरोच जनता पार्टी ने SIR के विरोध में और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को धरने का ऐलान किया था। >> (शेष पेज 06 पर)



1 अक्टूबर से विपक्ष और सीजेपी के प्रदर्शन की वजह से 3 बार कनॉट प्लेस और आसपास के बाजार को बंद रखा गया।

प्रदर्शन के कारण नई दिल्ली नगर परिषद ने सेंट्रल पार्क बंद करने का आदेश दिया है। व्यापारियों का दावा है कि इससे कनॉट प्लेस बाजार में रोजाना 200 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हो सकता है। याचिका दिल्ली किराना कमेटी और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन ने दायर की है। शुक्रवार सुबह सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई की।

व्यापारियों की 3 मांगें

1. **आवाजाही न रुके:** अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 तक प्रदर्शन और जुलूस से बाजारों व सड़कों पर यातायात प्रभावित न हो।
2. **अलग प्रदर्शन स्थल:** व्यावसायिक इलाकों से दूर प्रदर्शन के लिए जगह तय कर अधिसूचित की जाए।
3. **प्रदर्शन की SOP बने:** प्रदर्शन के अधिकार के साथ कारोबार, रोजगार और सार्वजनिक परिवहन का संतुलन रखा जाए।

कोर्ट बोला- सभी लोग बेहतर समझदारी दिखाएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि सभी लोग बेहतर समझदारी दिखाएंगे। हम जानते हैं कि सभी छोटे दुकानदार इन दिनों अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। हम जानते हैं कि पूरे परिवारों को किन मुश्किलों और परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।" याचिकाकर्ताओं ने कहा कि सेंट्रल पार्क बंद होने से ठेले वालों और छोटे व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हो सकता है। प्रदर्शन के कारण उन्हें नुकसान होने का खतरा है। व्यापारी संगठनों ने त्योहार और शादी के सीजन में मध्य दिल्ली में प्रदर्शन के कारण संभावित कारोबार नुकसान का मुद्दा उठाया है।

सीएम के कार्यक्रम से पहले सुरक्षा व्यवस्था परखी

पीजीआई क्षेत्र में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर शुक्रवार, 16 अक्टूबर को लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित कार्यक्रम स्थल का पुलिस अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान दक्षिणी जोन के पुलिस उपायुक्त मो. मुश्ताक और अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी जाए और यातायात का संचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

>> (शेष पेज 06 पर)



- यातायात और पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

भाजपा की साजिश के विरोध में हूं, 100 सीटों की गड़बड़ियों का डेटा चुनाव आयोग को सौंपा

हम एसआईआर या एसएसआर के विरोध में नहीं : अखिलेश

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा-उनकी पार्टी SIR या SSR के विरोध में नहीं है, बल्कि इसमें कथित साजिश और गड़बड़ी के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि वोटर लिस्ट का एक ही रिवीजन होना चाहिए। बार-बार रिवीजन नहीं होना चाहिए। नाम जोड़ने या काटने की प्रक्रिया इसी दौरान पूरी कर ली जाए। शुक्रवार को पार्टी कार्यालय पर पूर्व सीएम ने प्रेस कांफ्रेंस की।



इस दौरान भाजपा के पूर्व सांसद राजपाल और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हरबीर मलिक ने पार्टी जॉइन की। अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा के आधार वोटर उससे दूर हो रहे हैं। सनातनी, महिलाएं, मध्यम वर्ग और युवा भी उससे नाराज हैं। इसी वजह से अब चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोटर लिस्ट में साजिश की जा रही है। बताया कि समाजवादी पार्टी ने 100 विधानसभा क्षेत्रों का डेटा चुनाव आयोग को दिया है जिसमें गड़बड़ियां भाजपा ने की या कराई है।

सपा प्रमुख ने मांग की कि SSR के बाद दूसरा रिवीजन नहीं होना चाहिए। आरोप लगाया कि चुनाव आयोग से सवाल पूछने पर भाजपा जवाब देने लगती है। उन्होंने TCS जैसी कंपनी की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के कई वर्गों के मतदाता उससे नाराज हैं। उनके मुताबिक, चंदा चोरी और चढ़ावा चोरी के आरोपों से सनातनी मतदाता दुखी हैं। महिलाओं में भी नाराजगी है।

एक युवक के कई जगह वोट बनने का दावा

अखिलेश यादव ने वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने 100 विधानसभा क्षेत्रों का डेटा चुनाव आयोग को सौंपा है। उन्होंने एक ऐसे युवक का जिक्र किया, जो पहली बार वोट डालने वाला है, लेकिन उसके नाम कई जगह दर्ज होने का दावा किया गया है। अखिलेश ने कहा कि युवक पढ़ने वाला और ईमानदार है। वह एक ही जगह वोट डालेगा, लेकिन बाकी जगह उसके नाम पर दूसरे लोग वोट डाल सकते हैं। उन्होंने इस मामले में चुनाव आयोग से जवाब मांगा और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि SIR के दौरान 20 बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) की जान जाने का मुद्दा भी सामने आया था। अखिलेश ने आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के सबूत सामने आने पर उन्हें छोटी-मोटी गलती बताकर टालने की कोशिश की जाती है। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए।



पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिवपाल यादव ने कहां सपा का बढ़ रहा कारवां।

अखिलेश ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 17 और 24 अक्टूबर को बूथों पर चलने वाले अभियान के दौरान मतदाताओं के नाम जुड़वाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और काटने की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए।

काशी में गंगा के ऊपर गरजेंगे राफेल और सुखोई

सीएम बोले- ट्रैफिक प्लान से परेशानी न हो

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। काशी में गंगा के ऊपर 25 अक्टूबर को भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों का रोमांचक प्रदर्शन होगा। नमो घाट पर आयोजित होने वाले 'एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026' की थीम 'विंग्स ओवर गंगा' रखी गई है। भारतीय वायु सेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होने वाले इस आयोजन में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई और तेजस जैसे लड़ाकू विमान अपनी ताकत दिखाएंगे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, एयर शो में सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम भी हिस्सा लेंगी। इनके अलावा प्रचंड हेलीकॉप्टर, सी-295, एएन-32, आईएल-76 और आईएल-78 समेत कई विमान आसमान में करतब दिखाएंगे। भारतीय नौसेना और थल सेना के विमान भी इस आयोजन में शामिल होंगे।



गंगा और काशी की विरासत के बीच दिखेगी वायु सेना की ताकत

गंगा और काशी की ऐतिहासिक विरासत के बीच होने वाला यह आयोजन भारतीय वायु सेना की तकनीकी क्षमता, सटीकता और पेशेवर दक्षता को प्रदर्शित करेगा। एयर शो के जरिए युवाओं को विमानन क्षेत्र और भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। नमो घाट को अति संवेदनशील घोषित करते हुए शुक्रवार से आम लोगों की आवाजाही को यहां प्रतिबंधित कर दिया गया।

फास्ट न्यूज

10 फीट का अजगर हाईवे पर मिला

बाराबंकी । बाराबंकी में लखनऊ-बहराइच हाईवे पर शहाबपुर के पास ओवरब्रिज पर 10 फीट का अजगर दिखा। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे अजगर के कारण सड़क हादसे का खतरा बढ़ गया। कुछ देर के लिए वाहनों की आवाजाही पर भी असर पड़ा। इस दौरान अभिषेक मिश्र और मोहित जायसवाल ने दोस्तों की मदद से अजगर को पकड़ा और जंगल में छोड़ दिया। अजगर देखने के लिए ओवरब्रिज पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी।

शिक्षक एमएलसी चुनाव में 15 हजार नए वोटर बनेंगे निर्णायक

गोरखपुर । गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का यह चुनाव काफी रोमांचक मोड़ पर आता जा रहा है। इस बार के चुनाव में सबको वे 15 हजार मतदाता नजर आ रहे हैं, जो 2020 के चुनाव के बाद वोटर बने हैं। इनमें ज्यादा संख्या उन शिक्षकों की है, जो वित्तविहीन स्कूलों में, अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। इन्हीं स्कूलों में प्रत्याशी चक्कर भी लगा रहे हैं। इससे पहले दिसंबर 2020 में शिक्षक एमएलसी का चुनाव संपन्न हुआ था। उस समय लगभग 40 हजार मतदाता था। उसमें से लगभग 73 प्रतिशत लोगों ने वोट डाला था।

बाराबंकी में कुएं में मिला युवती का शव

रामनगर। बाराबंकी जिले के रामनगर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर महा सिंह गांव में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव के बाहर धान के खेत के बीच बने कुएं में एक युवती का शव तैरता हुआ मिला। मृतका की पहचान अटौता गांव निवासी दिनेश की 20 वर्षीय पुत्री पार्वती के रूप में हुई है, जो रामनगर डिग्री कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी।

वहीं घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

1200 से ज्यादा वोटर वाले बूथों पर नया केंद्र बनेगा

17 और 24 अक्टूबर को लगेंगे विशेष कैंप, 4 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर मतदाता सूची को शुद्ध और अपडेट करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। शुक्रवार को दोपहर 3 बजे जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। इसमें विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान और मतदेय स्थलों के पुनर्गठन की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों पर नया बूथ बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। मतदेय स्थलों की सूची का आलेख्य प्रकाशन 19 अक्टूबर को होगा। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि 26 अक्टूबर तक सुझाव और आपत्तियां दे सकेंगे। इसके बाद 27 अक्टूबर तक प्रस्ताव भेजे जाएंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदेय स्थलों का पुनर्गठन निर्धारित मानकों के अनुसार समय से पूरा किया जाए। साथ ही मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों से सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने की अपील भी की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को होगा। इसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। इनका निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। जिले के सभी मतदेय स्थलों पर 17 और 24 अक्टूबर को विशेष मतदाता पंजीकरण कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मौजूद रहेंगे।



चर्चा में आई नसीहत वाली फेसबुक पोस्ट, 4 घंटे में डिलीट हो गई

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ने 'कान का कच्चा' लिखा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डा. धर्मेंद्र सिंह की गुरुवार की सुबह फेसबुक पर की गई एक पोस्ट खूब चर्चा में रही। इसमें उन्होंने रामायण से लेकर महाभारत तक उन उदाहरणों का जिक्र किया था, जिसके कारण कुछ गलत हुआ। उन्होंने अपनी पोस्ट में यह नसीहत भी दी थी कि कान का कच्चा नहीं होना चाहिए। जैसे ही यह पोस्ट सार्वजनिक हुई, इसके निहितार्थ निकाले जाने लगे। कुछ घंटे बाद ही इसे डिलीट कर दिया गया। लेकिन राजनीतिक गलियारों में अब भी इसकी चर्चा है।

इस मामले में डा. धर्मेंद्र सिंह के कुछ करीबी सफाई देते हैं कि यह सूक्ति थी, जिसे पोस्ट कर दिया गया। इसका कोई राजनीतिक कारण या निहितार्थ नहीं है। पोस्ट के बाद काफी फोन होने लगे, लोगों को गलतफहमी होने लगी, इसलिए उस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया। डा. धर्मेंद्र सिंह ने लिखा था कि "रामायण से लेकर महाभारत तक विनाश की शुरुआत कभी हथियारों से नहीं हुई। विनाश की शुरुआत हुई गलत बातें सुनने से, मंथरा की सुनी रामजी को वनवास हुआ,सूर्पनखा की सुनी लंका जलकर राख हुई,शकुनि की सुनी तो कुरु वंश का नाश हो गया और एक धोबी की बातों से तो अयोध्या ही सुनी हो गई। इसलिए इतिहास से सीख लेनी चाहिए की कान के कच्चे मत बनो कोई आपके कान भरे तो बुद्धि का इस्तेमाल कीजिए, वरना पछतावे के अलावा कुछ हाथ नहीं लगेगा। जय सियाराम जी।" सोशल मीडिया पर कुछ पता-तुला ही लिखते हैं। उनकी अधिकतर पोस्ट उनकी दिनभर की गतिविधि से जुड़ी ही रहती है। लेकिन इस तरह की पोस्ट अक्सर आहत होकर लिखी जाती है। 'कान के कच्चे' से आशय किसी को सलाह देने से है। कोई ऐसा, जिससे लिखने वाले के अच्छे संबंध हों। इस मामले को कुछ भाजपा पदाधिकारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जो पहले उनके करीबी हुआ करते थे लेकिन अब अंदरखाने विरोध करते नजर आते हैं।



डा. धर्मेंद्र सिंह गोरखपुर महानगर के अध्यक्ष रहे, दो बार क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे और लगातार दूसरी बार से प्रदेश में उपाध्यक्ष हैं। उन्हें एमएलसी भी बनाया गया है। वह काफी शांत स्वभाव के और विवादों से दूर रहने वाले नेता माने जाते हैं।

पोस्ट लिखने के बाद उसे डिलीट कर देने से लोगों की जिज्ञासा और बढ़ गई है।

तीन घंटे तक धरना-प्रदर्शन सूरतगंज के फूलपुर चौराहे पर सड़क जाम

डेंगू-मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर भड़के कार्यकर्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र में डेंगू और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप तथा साफ-सफाई की बदहाल व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को बजरंग दल समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने सूरतगंज कस्बे के फूलपुर चौराहे पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विशेष सफाई अभियान चलाने, नालियों की नियमित सफाई कराने, फॉगिंग और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव कराने सहित विभिन्न मांगें उठाईं। धरने के चलते रामनगर-सूरतगंज मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सूरतगंज कस्बे की आबादी करीब 20 हजार है। इसके बावजूद क्षेत्र में जगह-जगह गंदगी, कूड़े के ढेर, जलभराव और नालियों की समुचित सफाई न होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में लोग बुखार और अन्य बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग स्थिति की गंभीरता को पर्याप्त रूप से स्वीकार नहीं कर रहा है। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि कई घरों में दो से चार लोग तक बीमार पड़ रहे हैं। ऐसे में बीमारी की रोकथाम के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के माध्यम से सूरतगंज क्षेत्र में तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाने, सभी नालियों और जलभराव वाले स्थानों की नियमित सफाई कराने, मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव कराने तथा बाजारों और आबादी वाले इलाकों में नियमित कूड़ा उठान सुनिश्चित करने की मांग की।





सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर उठाए सवाल

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बदलते मौसम के बीच मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इसके बावजूद नियमित सफाई, नालियों की सफाई, जलभराव की रोकथाम और फॉगिंग की व्यवस्था पर्याप्त नहीं दिखाई दे रही है। उनका कहना था कि यदि समय रहते सफाई और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के स्वास्थ्य को देखते हुए प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रदर्शन में मुकेश शुक्ला, अभिषेक वर्मा अंशु, अनुपम वर्मा, रवि वर्मा, सच्चिदानंद गिरी, शैनेश सिंह, बबलू वर्मा, शिवा पटेल , जितेंद्र कुमार पांडे , धनंजय जागरण प्रमुख अवध प्रांत बाराबंकी, सुरेंद्र गोस्वामी पर्यावरण प्रमुख खंड सूरतगंज, अंशु वर्मा प्रधान प्रत्याशी, शैलेश शाह मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

बी एच यू में एबी वीपी का प्रदर्शन विपक्ष के खिलाफ की नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । बीएचयू में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में CJP के प्रदर्शन के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर RRF के जवान और विश्वविद्यालय के प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम मौजूद रही। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने देश की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और लोकतांत्रिक व्यवस्था के सम्मान का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग राजनीतिक स्वार्थ के लिए संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रहे हैं। छात्रों ने देश में खूनी क्रांति लाने और भारत को नेपाल-बांग्लादेश जैसा बनाने संबंधी बयानों पर भी नाराजगी जताई।

ABVP कार्यकर्ता पुनीत मिश्रा ने कहा कि देश के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं की मान-मर्यादा को मिट्टी में मिलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सत्ता हासिल करने के लिए देश में खूनी क्रांति की बात कर रहे हैं, तो कुछ भारत को नेपाल और बांग्लादेश जैसा बनाने की बात कह रहे हैं।



पुनीत मिश्रा ने कहा कि देश का युवा ऐसी परिस्थितियों में चुप नहीं बैठेगा। विद्यार्थी परिषद और देश के युवा लोकतंत्र तथा संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कुर्सी हासिल करने के लिए देश की व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश करने वालों को जवाब दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने देश की अस्मिता और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान से समझौता नहीं करने की बात कही।

कार्रवाई : दरोगा की बुलेटप्रूफ जैकेट को छूकर निकली गोली, आरोपी के पैर में लगी

पटाखा बनाने वाला पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र के पंचकोसी स्थित पैगंबरपुर में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद फरार हुए राजू खान को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के बाद पुलिस कस्टडी में रखकर पूछताछ की जा रही है।

गुरुवार शाम करीब 5 बजे राजू खान के दो मंजिला मकान में विस्फोट हुआ था। धमाके से मकान का अगला आधा हिस्सा ढह गया। बताया जा रहा है कि यहां अवैध रूप से पटाखे बनाए और स्टोर किए जाते थे। घटना के बाद राजू अपनी मां के साथ फरार हो गया था।



स्थानीय लोगों के मुताबिक, विस्फोट के बाद जब लोगों ने राजू खान से घटना के बारे में पूछा तो उसने घर में सिलेंडर ब्लास्ट होने की बात कही। उसने बताया कि वह मदद लेने जा रहा है। हालांकि, पुलिस के अनुसार मकान में पटाखों के कारण विस्फोट हुआ था। राजू खान का पैगंबरपुर में करीब 450 वर्ग फीट में बना दो मंजिला मकान है। विस्फोट के समय परिवार के लोग मकान के पिछले हिस्से में थे। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राजू की पत्नी चांदनी, बेटे आदिल और बेटी अरबिया को बाहर निकाला।

सीएमओ डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि घायलों को कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजू की पत्नी चांदनी (39) करीब 90 प्रतिशत तक झुलस गई है। उसे ICU में भर्ती किया गया है।

बेटे आदिल खान (16) को भी चोटें आई हैं। उसकी नाक से खून निकला था। उसे भी ICU में भर्ती कराया गया है। वहीं, बेटी अरबिया (10) को मामूली चोटें आई हैं और उसकी हालत स्थिर बताई गई है।

देर रात गश्त के दौरान झाड़ियों में दिखा संदिग्ध

डीसीपी वरुणा राजेश पांडेय ने बताया कि एयर शो के मद्देनजर पुलिस देर रात सरायमोहाना घाट के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान झाड़ियों में एक संदिग्ध दिखाई दिया। सारनाथ पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने बचाव किया, लेकिन एक गोली सब इंस्पेक्टर अमरजीत की बुलेटप्रूफ जैकेट को छूकर निकल गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें संदिग्ध के पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया।

बाराबंकी में 12वीं छात्रा बनीं एक दिन की थाना प्रभारी

पुलिस ने छात्रा को कार्यप्रणाली और अधिकारों से कराया रूबरू

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी में मिशन शक्ति फेज-6 के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए पुलिस ने अनूठी पहल की। शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे शारदीय नवरात्रि के अवसर पर कोतवाली नगर पुलिस ने पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की मेधावी छात्रा स्नेहा गौतम को एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनाया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी के निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। एक दिन की थाना प्रभारी बनीं स्नेहा गौतम को थाने के कामकाज, जनसुनवाई और पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान उन्हें बताया गया कि पुलिस आम नागरिकों की शिकायतें किस तरह सुनती है और समस्याओं के समाधान के लिए क्या कार्रवाई करती है। छात्रा को महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने में पुलिस की भूमिका के बारे में भी बताया गया। इस पहल के जरिए उन्हें थाने के संचालन और पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारियों को करीब से समझने का अवसर मिला।



मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। इस तरह के कार्यक्रम बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने का आत्मविश्वास और कानून के प्रति समझ विकसित करने में सहायक होते हैं।

अयोध्या से घर लौट रहे अंकित को रास्ते में बनाया निशाना, 24 घंटे में गिरफ्तारी

एयरपोर्ट पर लिफ्ट, फिर नशीली चाय !

साजिश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अयोध्या एयरपोर्ट से घर जाने के लिए वाहन तलाश रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकित कुमार को लिफ्ट देना दो लोगों की लूट की साजिश का हिस्सा निकला। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार दोनों आरोपियों ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर अंकित को बेहोश कर दिया। इसके बाद उनका सामान लेकर भाग निकले। पीड़ित इब्राहिम-पुर क्षेत्र के मठिया गांव के पास मिला। शिकायत मिलने के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया सामान बरामद कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की



पहचान गोंडा जिले के नवाबगंज क्षेत्र के हतवा गांव निवासी उमेश केवट और अशोक केवट के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई हैं और पुलिस के अनुसार, नवाबगंज थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। पुलिस के मुताबिक, उमेश केवट पर अलग-अलग जिलों में चोरी, एनडीपीएस, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी

लैपटॉप से पहचान पत्र तक पूरा सामान मिला

पुलिस ने आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, एक आईपैड, दो मोबाइल फोन, चार्जर, आधार और पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, दो पहचान पत्र, चार एटीएम कार्ड, हेडफोन, ट्रॉली बैग, कपड़े और अन्य घरेलू सामान बरामद किया। पुलिस का दावा है कि अंकित का पूरा सामान मिल गया है। आरोपियों के पास से 19 ग्राम डायजापाम पाउडर भी बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, इसका इस्तेमाल लोगों को बेहोश करने में किया जाता था।

और हत्या के प्रयास समेत करीब 25 मुकदमे दर्ज हैं। अशोक केवट पर बस्ती और गोंडा में 21 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। एसपी प्राची सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। अंकित का प्राथमिक उपचार कराने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया है। मामले के खुलासे और त्वरित कार्रवाई पर पुलिस टीम

- फर्जी नंबर प्लेट वाली बाइक और 19 ग्राम नशीला पाउडर बरामद

पहचान छिपाने के लिए बाइक से की छेड़छाड़

इंस्पेक्टर वीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल अपाचे बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। पहचान छिपाने के लिए बाइक का इंजन नंबर भी खुरचा गया था। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी नाम बदलकर और कूटरचित नंबर प्लेट का इस्तेमाल कर वारदात करते थे। जीआरपी थानों में भी इनके खिलाफ नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट करने के मामले दर्ज हैं।

को 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

त्योहारों पर हादसों की रोकथाम के लिए गांवों में उतरेंगी सड़क सुरक्षा सखियां

डीएम ने पुलिस, परिवहन और आईसीडीएस विभाग के साथ की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। त्योहारों के दौरान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिले में ग्रामीण स्तर पर जागरूकता अभियान तेज किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों की समूह सखियां और सड़क सुरक्षा सखियां लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक करेंगी। इस संबंध में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में संयुक्त ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बैठक में पुलिस, परिवहन, आईसीडीएस और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों के साथ अभियान की रूपरेखा पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करने और





आमजन तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि सात से 21 जुलाई 2026 तक चले 15 दिवसीय अभियान में महिला कर्मियों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाई थी। बैठक में इस अभियान के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने की जानकारी भी दी गई। आगामी पर्वों में दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए जिलाधिकारी ने लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल, यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया।

फास्ट न्यूज

फुटबॉल की मंडल विजेता अल्का बनीं एक दिन की एसपी

अंबेडकरनगर। मंडल स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जीत हासिल करने वाली कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, रामनगर की छात्रा अल्का ने एक दिन के लिए पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभाली। शारदीय नवरात्र के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने यह पहल की। मनोज कुमार की पुत्री अल्का ने पुलिस अधीक्षक की भूमिका में पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की।

जलालपुर की रामलीला में राम-सीता विवाह प्रसंग का वर्णन

जलालपुर, अंबेडकरनगर। नगर में रामलीला के आयोजनों के तहत गल्ला मंडी में राम-सीता विवाह प्रसंग का वर्णन किया गया। वहीं, धर्मशाला परिसर में पंचमी के अवसर पर पूजा-अर्चना और भव्य झांकी का आयोजन हुआ। झांकी देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। गल्ला मंडी में रामलीला सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष संदीप अग्रहरि के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कथा वाचन के दौरान राम-सीता विवाह प्रसंग सुनाया गया। आयोजन की व्यवस्था में मानिकचंद सोनी, उपाध्यक्ष विकास निषाद और सोनू गुप्ता ने सहयोग किया।

दुर्गा पूजा से पहले टांडा में दुरुस्त हुई उखड़ी सड़क

अंबेडकरनगर। दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए टांडा में असमतल सड़क को दुरुस्त कराया गया। जल निगम नगरीय की ओर से पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क का पुनर्स्थापन किया गया था, लेकिन कुछ हिस्से ऊंचे-नीचे रह गए थे। उपजिलाधिकारी राहुल गुप्ता के पर्यवेक्षण में जल निगम की टीम ने इन हिस्सों को ठीक कराया।

चुनाव से पहले ईवीएम की पड़ताल शुरू, डीएम ने परखी जांच प्रक्रिया

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारी तेज



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विधानसभा चुनाव-2027 से पहले जिले में ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) की प्रक्रिया चल रही है। कलेक्ट्रेट स्थित वीवीपैट वेयरहाउस में हो रही जांच का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने निरीक्षण किया। उन्होंने जांच की प्रगति देखी और संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और तकनीकी मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए। सभी परीक्षण निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हों। जांच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने अभिलेखों का सही ढंग से संधारण करने के निर्देश दिए।

एफएलसी के दौरान मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को नियमानुसार जांच देखने का अवसर दिया जा रहा है। इससे प्रक्रिया में निर्धारित पारदर्शिता संबंधी प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

20 साल बाद आलापुर सीट के आरक्षण को चुनौती

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की, परिसीमन आदेश में हस्तक्षेप से इनकार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दी है। करीब दो दशक बाद दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि वर्ष 2006 के परिसीमन आदेश को इतने लंबे अंतराल के बाद चुनौती देने का औचित्य नहीं है। याची संवैधानिक उल्लंघन भी साबित नहीं कर सका।

यह फैसला न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने अंबेडकरन-गर निवासी दिलीप कुमार की याचिका पर सुनाया। याचिका में जिले की विधानसभा सीटों के



परिसीमन और आलापुर सीट के आरक्षण को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने कहा कि पांच दिसंबर 2006 को प्रकाशित परिसीमन आदेश को कानूनी मान्यता प्राप्त है। केवल जनसंख्या और जातिगत आंकड़ों की अलग गणना के आधार पर इसे दोबारा नहीं खोला जा सकता। खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन में जनसंख्या का अनुपात यथासंभव समान रखने का प्रयास होता है। हालांकि, इसमें भौगोलिक स्थिति, प्रशासनिक सीमाओं और अन्य प्रासंगिक पहलुओं

पांच सीटों की आबादी में असमानता का दिया तर्क

याची ने कटेहरी, टांडा, आलापुर, जलालपुर और अकब-रपुर विधानसभा क्षेत्रों की आबादी में अंतर का हवाला दिया था। उसका तर्क था कि इससे संविधान के अनुच्छेद 170(2) का उल्लंघन होता है। इसी आधार पर परिसीमन और आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग की गई थी।

को भी ध्यान में रखा जा सकता है। औसत जनसंख्या से 10 प्रतिशत तक अंतर की अनुमति संबंधी आंतरिक दिशा-निर्देश को अदालत ने अनिवार्य वैधानिक प्रावधान नहीं माना।

हत्या के पीड़ित परिवार को दो लाख की मदद, प्रभारी मंत्री ने सौंपा चेक

कुर्की महमूदपुर पहुंचकर परिजनों से मिले ओमप्रकाश राजभर



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हत्या के शिकार रामकिशुन के परिवार को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। बृहस्पतिवार को जिले के प्रभारी मंत्री और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर अकबरपुर तहसील के कुर्की महमूदपुर गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और सहायता राशि का चेक सौंपा।

मंत्री ने परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली और उन्हें सहायता उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से मिली इस राशि से परिवार को आर्थिक मदद मिलेगी। इस दौरान जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम प्रतीक्षा सिंह, तहसीलदार दिव्या भारती वर्मा, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष जगलाल राजभर और अकबरपुर प्रधान संघ के अध्यक्ष मान सिंह सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

परिसीमन आदेश में हस्तक्षेप से इनकार, अदालत ने कहा- इतने लंबे समय बाद चुनौती देने का औचित्य नहीं

20 साल बाद आलापुर सीट के आरक्षण को चुनौती

> अदालत ने कहा कि पांच दिसंबर 2006 को प्रकाशित परिसीमन आदेश को कानूनी मान्यता प्राप्त है। केवल जनसंख्या और जातिगत आंकड़ों की अलग गणना के आधार पर इसे दोबारा नहीं खोला जा सकता।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दी है। करीब दो दशक बाद दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि वर्ष 2006 के परिसीमन आदेश को इतने लंबे अंतराल के बाद चुनौती देने का औचित्य नहीं है। याची संवैधानिक उल्लंघन भी साबित नहीं कर सका।

यह फैसला न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने अंबेडकरनगर निवासी दिलीप कुमार की याचिका पर सुनाया। याचिका में जिले की विधानसभा सीटों के परिसीमन और



आलापुर सीट के आरक्षण को चुनौती दी गई थी।

याची ने कटेहरी, टांडा, आलापुर, जलालपुर और अकबरपुर विधानसभा क्षेत्रों की आबादी में अंतर का हवाला दिया था। उसका तर्क था कि इससे संविधान के अनुच्छेद 170(2) का उल्लंघन होता है। इसी आधार पर परिसीमन और आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग की गई थी। अदालत ने ध्यान दिया कि वर्ष 2006 के परिसीमन के आधार पर कई विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। ऐसे में करीब दो दशक

2006 के आदेश को दोबारा खोलने से इनकार

खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन में जनसंख्या का अनुपात यथासंभव समान रखने का प्रयास होता है। हालांकि, इसमें भौगोलिक स्थिति, प्रशासनिक सीमाओं और अन्य प्रासंगिक पहलुओं को भी ध्यान में रखा जा सकता है। औसत जनसंख्या से 10 प्रतिशत तक अंतर की अनुमति संबंधी आंतरिक दिशा-निर्देश को अदालत ने अनिवार्य वैधानिक प्रावधान नहीं माना।

बाद पूरी व्यवस्था को चुनौती देकर बदलाव की मांग उचित नहीं है। इन टिप्पणियों के साथ खंडपीठ ने याचिका खारिज कर दी।

वोटर लिस्ट में नाम नहीं तो आज मौका, हर बूथ पर लगेगा कैंप

सुबह 10 से शाम चार बजे तक बैठेंगे बीएलओ

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूट गए हैं तो शनिवार को अपने बूथ पर पहुंचकर पंजीकरण करा सकते हैं। जिले के सभी मतदेय स्थलों पर 17 अक्टूबर को विशेष मतदाता पंजीकरण कैंप लगाए जाएंगे। सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मौजूद रहेंगे। पहली बार मतदाता बनने वाले युवा भी इस अभियान के तहत नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकेंगे।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने सभी बूथों पर कैंप लगाने और इसकी जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए पात्र



नागरिकों को फॉर्म-6 भरना होगा। इसके साथ नवीनतम फोटो तथा जन्मतिथि और पते से जुड़े दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियां ले जानी होंगी। परिवार के किसी सदस्य का मतदाता पहचान पत्र नंबर उपलब्ध हो तो उसे भी साथ रखें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कैंपों का निरीक्षण करने और प्राप्त आवेदनों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने को कहा है। राजनीतिक दलों से भी अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) सक्रिय करने और पंजीकरण प्रक्रिया में बीएलओ का सहयोग करने की अपील की गई है।

नैनो खाद से प्राकृतिक खेती तक, किसानों को दी गई नई तकनीकों की जानकारी

पांती कृषि विज्ञान केंद्र में रिफॉर्म उत्सव के तहत किसान दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कृषि विज्ञान केंद्र पांती में शुक्रवार को रिफॉर्म उत्सव के तहत किसान दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को नैनो उर्वरकों, प्राकृतिक खेती और फसलों को कीटों व रोगों से बचाने के तरीकों की जानकारी दी गई। इसमें करीब 50 किसानों ने हिस्सा लिया। इफको के वरिष्ठ क्षेत्र प्रबंधक डॉ. देवी प्रसाद ने नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, नैनो जिंक, नैनो कॉपर, बायो डीकंपोजर और सागरिका के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इन उत्पादों के इस्तेमाल की जानकारी किसानों के साथ साझा की।

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रामजीत ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने और नैनो उर्वरकों के उचित प्रयोग के लिए प्रेरित किया। डॉ. शिवम ने फसलों में लगने वाले कीटों और रोगों की रोकथाम के लिए



- 50 किसानों ने लिया हिस्सा निशुल्क बांटा गया बायो डीकंपोजर

कीटनाशकों व फफूंदनाशकों के उपयोग की जानकारी दी।

कार्यक्रम में शामिल किसानों को बायो डीकंपोजर निशुल्क वितरित किया गया। इसके बाद कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों और किसानों ने प्रदर्शन प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान किसानों ने वहां किए गए कृषि प्रदर्शनों को देखा।

कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप, डॉ. लोकेश यादव और एसएफए हॉटस्पॉट अभय वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विवाद : राजेसुल्तानपुर के भूपतिपुर कोडरहा गांव में हुई थी मारपीट

उधारी के रुपये मांगने पर खूनी संघर्ष, वृद्धा की मौत, चार गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उधारी के रुपये मांगने को लेकर शुरू हुआ विवाद 81 वर्षीय चंद्रावती देवी की मौत तक पहुंच गया। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के भूपतिपुर कोडरहा गांव में 16 अक्टूबर को दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। गंभीर रूप से घायल चंद्रावती देवी ने मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने चार वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, उधार की रकम को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इसके बाद



लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से हमला किया गया। चंद्रावती देवी के बेटे भी हमले में घायल हुए थे। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर ले जाया गया, जहां वृद्धा की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, ऋषि



तिवारी के खिलाफ वर्तमान मामले समेत छह मुकदमों का विवरण दर्ज है। ऋतिक उर्फ मुंडा के खिलाफ तीन मुकदमों का उल्लेख है। गरिमा मिश्रा और आशा के खिलाफ इस मामले में कार्रवाई की गई है। प्रकरण में मुकदमा संख्या 206/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि वयस्क आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। बाल अपचारियों के मामले में किशोर न्याय

> पुलिस ने ऋषि तिवारी, ऋतिक उर्फ मुंडा, गरिमा मिश्रा और आशा को गिरफ्तार किया है। दो बाल अपचारियों को भी अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि ऋतिक और एक बाल अपचारी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गईं दो बांस की लाठियां बरामद हुई हैं।

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार पांडेय के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम में उपनि-रीक्षक शुभम यादव, उपनिरीक्षक पवन कुमार चतुर्वेदी समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सुलझे पारिवारिक विवाद, महिलाओं को उपहार देकर किया सम्मानित



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत शनिवार को जैतपुर और महरुआ थानों में पारिवारिक विवादों के निस्तारण से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी निरीक्षकों के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने आपसी सहमति से सुलझाए गए पारिवारिक मामलों से जुड़ी महिलाओं और उनके परिजनों को थाने में आमंत्रित किया। इस दौरान महिलाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पति-पत्नी और परिवारों के बीच विवादों का

- जैतपुर और महरुआ थानों में कार्यक्रम, महिला अधिकारों और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

आपसी बातचीत और सहमति से समाधान कराना है। इसके जरिए पारिवारिक संबंधों में मधुरता बनाए रखने और महिलाओं को सम्मान व सुरक्षा देने का संदेश दिया गया।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के बारे में बताया। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर सहायता लेने के प्रति जागरूक किया।

सम्पादकीय

एक आवश्यक निर्णय



यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय से यह स्पष्ट कर दिया कि यदि अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का कोई व्यक्ति मतांतरण कर लेता है तो फिर वह आरक्षण का लाभ पाने का अधिकारी नहीं रहेगा। हालांकि ऐसा ही निर्णय मद्रास उच्च न्यायालय ने भी दिया था, लेकिन तमिलनाडु सरकार ने उसे शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी थी, क्योंकि वह अपने उस नियम को बनाए रखना चाहती थी, जिसके तहत उसने यह सुविधा दी थी कि यदि एससी या ओबीसी समुदाय के लोग इस्लाम या ईसाई मत अपना लेते हैं तो भी आरक्षण के लाभ पाते रह सकते हैं। यह केवल सनातन परिवार के आरक्षित वर्गों के अधिकारों में कटौती करने वाला ही नहीं, बल्कि एक तरह से मतांतरण को बल देने वाला नियम था।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एससी या ओबीसी वर्ग के अनेक हिंदू, सिख या बौद्ध अपना धर्म त्याग देते हैं और फिर यह मांग करने लगते हैं कि मतांतरण के बाद भी उन्हें आरक्षण का लाभ मिलते रहना चाहिए। ऐसी मांग का समर्थन कई मुस्लिम एवं ईसाई संगठन भी करते हैं। हालांकि ऐसा करके वे अपने इस दावे की पोल ही खोलते हैं कि उनके यहां न तो जाति है और न ही किसी तरह का जातिगत भेदभाव। ध्यान रहे इसी तरह के दावों के बहाने ही वे निर्धन एवं अशिक्षित हिंदुओं, सिखों आदि को मतांतरित होने का प्रलोभन देते हैं। कटु सच्चाई यह है कि एससी अथवा ओबीसी वर्ग के लोग मतांतरित होने के बाद भी अपने नए पंथ में जातिगत भेदभाव और वैमनस्य का शिकार होते हैं। इसी कारण दलित ईसाइयों और दलित मुसलमानों के संगठन बने हुए हैं।

निःसंदेह समस्या केवल इतनी ही नहीं थी कि तमिलनाडु सरकार ने जैसा नियम बना रखा था, उससे मतांतरण कराने वालों को प्रोत्साहन मिल रहा था और एससी एवं ओबीसी के अधिकारों में सेंधमारी भी हो रही थी, बल्कि यह भी थी कि हिंदू धर्म त्यागने वाले एससी या ओबीसी आरक्षण के साथ ही अल्पसंख्यकों को मिलने वाले लाभ भी पाने लगते थे। इस दोहरे लाभ का आकर्षण भी छल-छद्म और लोभ-लालच से मतांतरण कराने वालों के पक्ष में काम करता था और इसका सबसे अधिक नुकसान हिंदू समाज उठाता था, क्योंकि सिखों और बौद्धों को तो अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त है।यह कोई छिपी बात नहीं कि हिंदू समाज खास तौर पर कपट और लालच से मतांतरण अभियानों में लिप्त ईसाई और मुस्लिम संगठनों के निशाने पर है। भले ही एक के बाद एक राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले मतांतरण को रोकने के कानून बना रही हों या उन्हें कठोर कर रही हों, लेकिन मतांतरण थम नहीं रहा है। इसका मूल कारण पंथ प्रचार की स्वतंत्रता का दुरुपयोग है। यह दुरुपयोग कैसे रुके, इस पर सरकार के साथ सुप्रीम कोर्ट को भी विचार करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले



> सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा।

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना



कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुरजोर वकालत करते हैं। इस प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि इस गंभीर विषय पर केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठाएं ताकि इस दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में सर्वोच्च न्यायालय का चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवादों पर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है। 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर मार्च किया, इस पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया भी सराहनीय है। भले ही विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, मतदाताओं के नाम हटाए जाने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए, इन आरोपों की सत्यता का निर्धारण न्यायिक परीक्षण और संबंधित अभिलेखों के आधार पर होना चाहिए, लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपनी राजनीतिक इच्छा व्यक्त करने का संवैधानिक अवसर है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता किसी एक दल का नहीं, पूरे लोकतंत्र का प्रश्न है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करना एक गलत परम्परा का सूत्रपात है। 15 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी नेताओं की याचिका पर निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जवाब माँगा। इससे स्पष्ट होता है कि निर्वाचन आयोग जैसी महत्त्वपूर्ण संवैधानिक संस्था के निर्णय भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकते हैं। आयोग की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि उसके प्रत्येक निर्णय को प्रश्नों से परे मान लिया जाए। इसी प्रकार, किसी निर्णय से असहमति अपने आप में यह प्रमाणित नहीं करती कि आयोग ने अनुचित कार्य किया है। न्यायिक समीक्षा का उद्देश्य आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट करना, निर्णय प्रक्रिया की वैधानिकता जाँचना तथा नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने 12 अक्टूबर के मार्च को लेकर राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य संबंधित नेताओं से भी जवाब माँगा। न्यायालय की चिंता यह थी कि राजनीतिक प्रदर्शन के माध्यम से न्यायपालिका पर दबाव बनाने की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इस प्रसंग का मूल्यांकन करते समय यह समझना आवश्यक है कि शांतिपूर्ण विरोध, राजनीतिक असहमति और न्यायालय की गरिमा-तीनों लोकतंत्र के महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं। विपक्ष को सरकार और निर्वाचन आयोग से प्रश्न पूछने का अधिकार है, लेकिन न्यायिक संस्थाओं की स्वतंत्रता का सम्मान करना भी उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है।

- ललित गर्ग

विदेशी फंडिंग का आरोप : सनसनी से नहीं, सबूतों से तय होनी चाहिए सच्चाई

बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाना लोकतंत्र, राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक विश्वसनीयता के लिए कितना उचित है? यह सवाल अपने आप में ही प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के अनेक देशों में राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी प्रक्रियाओं और जन आंदोलनों पर बाहरी प्रभाव को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं लेकिन किसी आशंका को प्रमाणित तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना और किसी राजनीतिक दल पर विदेशी धन लेकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाना दो अलग-अलग बातें हैं। यही अंतर जिम्मेदार पत्रकारिता, निष्पक्ष राजनीतिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद है। हाल ही में अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन के नाम से सोशल मीडिया के जरिये सामने आए एक बयान में भारत में सक्रिय एक राजनीतिक दल को अमेरिका से भारी वित्तीय सहायता मिलने का आरोप लगाया गया है। इस दावे में यह भी कहा गया है कि विदेशी धन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक शांति को प्रभावित करने, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने और केंद्र सरकार के कामकाज में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। आरोपों के समर्थन में कुछ व्यक्तियों और कथित वित्तीय समूहों का भी उल्लेख किया गया है। ऐसे गंभीर आरोप सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत क्या हैं? क्या किसी बैंक खाते का विवरण सामने आया है? क्या किसी वित्तीय लेन-देन का दस्तावेज उपलब्ध है? क्या संबंधित एजेंसी ने कोई जांच की है? क्या किसी विश्वसनीय जांच रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज में इन आरोपों की पुष्टि हुई है? यदि इन सवालों के जवाब उपलब्ध नहीं हैं, तो ऐसे बयानों को प्रमाणित समाचार की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। किसी राजनीतिक दल को विदेशी धन मिलने का आरोप सामान्य राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। यह एक गंभीर आरोप है, जिसका संबंध देश की संप्रभुता, राजनीतिक पारदर्शिता और कानून के पालन से जुड़ा है। यदि किसी दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तपोषण प्राप्त हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

- सौरभ वाष्णेय

विपक्ष का मुख्य...

अशोक भाटिया

न्याय की चौखट पर सियासत और संवैधानिक मर्यादा का संकट

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 12 अक्टूबर 2026 की तारीख एक ऐसी असाधारण और चिंताजनक घटना के रूप में दर्ज हो चुकी है, जिसने संवैधानिक संस्थाओं के बीच पारस्परिक सम्मान की सीमाओं को पूरी तरह से धुंधला कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे 'स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन' की प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के नेता राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के तमाम शीर्ष नेताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट परिसर तक निकाला गया विरोध मार्च सिर्फ एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था, बल्कि वह न्याय की सर्वोच्च देहरी पर जन-दबाव बनाने का एक ऐसा अभूतपूर्व प्रयास था, जिसकी अनुमति हमारा संवैधानिक ढांचा कभी नहीं देता। 15 अक्टूबर 2026 को इस संवेदनशील मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने जो बेहद सख्त रुख अपनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र की आत्मा उसकी संस्थाओं की गरिमा और उनकी स्वतंत्रता में बसती है, न कि सड़कों पर उमड़ने वाली राजनीतिक भीड़ के कोलाहल में। अदालत का सुनवाई के दौरान यह कहना कि ₹हम आइवरी टावर (हाथीदांत के मीनारों) में नहीं बैठे हैं, हमें सब पता है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं और कोर्ट के भीतर क्या कहा जा रहा है₹, देश के पूरे राजनीतिक नेतृत्व के लिए एक गंभीर और ऐतिहासिक चेतावनी है। जब देश का विपक्ष का नेता, जिसके पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा होता है और जो संसद के भीतर देश की जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, स्वयं समर्थकों की भारी भीड़, नारेबाजी और हंगामे के बीच देश की सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री में याचिका दाखिल करने पहुंचता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अब न्यायिक प्रक्रियाओं का फैसला भी सड़कों के संख्याबल से तय होगा? यह संपादकीय इसी गहरे और गंभीर संवैधानिक संकट का निष्पक्ष विश्लेषण करने का प्रयास है कि आखिर विपक्ष के इस कदम के पीछे की राजनीति क्या है, न्यायपालिका की चिंताएं कितनी जायज हैं और भारतीय लोकतंत्र को इस अभूतपूर्व संस्थागत टकराव से बचाने के लिए किस तरह के संतुलन की आवश्यकता है। इस पूरे विवाद की जड़ें किसी न्यायिक फैसले या अदालती आदेश में नहीं, बल्कि देश की चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी हैं। चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरू की गई 'स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन' की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। विपक्ष इसे 'वोटों की चोरी' और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश करार दे रहा है। इसी के विरोध में पिछले सप्ताह दिल्ली की सड़कों पर विपक्षी कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए थे, जहां पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज ने आग में घी का काम किया था। राजनीतिक रूप से चुनाव आयोग के फैसलों का विरोध करना और उस पर सवाल उठाना विपक्ष का न सिर्फ लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि उसका कर्तव्य भी है। भारतीय चुनावी राजनीति में ईवीएम से लेकर मतदाता सूचियों में विसंगतियों के दावों तक, विपक्ष हमेशा से मुखर रहा है। इसी सिलसिले में जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव सहित 13 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक संयुक्त रिट याचिका के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया, तो देश को लगा कि यह लड़ाई अब पूरी तरह से कानूनी और संवैधानिक दायरे में लड़ी जाएगी। लेकिन, कानूनी याचिका दायर करने की सामान्य प्रक्रिया को जिस तरह से एक विशाल 'राजनीतिक जुलूस' में तब्दील कर दिया गया, उसने इस कानूनी लड़ाई के वास्तविक उद्देश्य पर ही बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए। 12 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के लुटियंस जोन में जो दृश्य दिखाई दिए, वे देश के न्यायिक इतिहास में बेहद दुर्लभ और विचलित करने वाले थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, विपक्षी दलों के सांसद, छात्र संगठन और समर्थक संसद मार्ग से होते हुए सुप्रीम कोर्ट परिसर की ओर बढ़े। हालांकि सुरक्षा कारणों से पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन विपक्षी नेताओं का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल और समर्थकों की एक अनियंत्रित भीड़ सुप्रीम कोर्ट के भीतर स्थित 'फाइलिंग काउंटर' तक पहुंच गई।एक ऐसे समय में जब कोर्ट की रजिस्ट्री अपने दैनिक कार्य को समेट रही थी, परिसर के भीतर अचानक पैदा हुए इस राजनीतिक कोलाहल, नारेबाजी और समर्थकों के हुजूम ने सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक तंत्र को कुछ समय के लिए ठप कर दिया।

इससे न्यायालयों...

डॉ0 सीमा गुप्ता

अमेठी में अत्याधुनिक साइबर क्राइम थाने से डिजिटल सुरक्षा तंत्र होगा सुदृढ़

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और डिजिटल अपराधों की जांच को अत्याधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों से सुदृढ़ करने के संकल्प के तहत सुरक्षा ढांचे का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में अमेठी जनपद में डिजिटल एवं साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित विवेचना तथा तकनीकी साक्ष्य संकलन को आधुनिक मजबूती देने के उद्देश्य से उच्च तकनीकी सुविधाओं से युक्त साइबर क्राइम थाने के प्रशासनिक भवन का निर्माण तीव्र गति से कराया जा रहा है। जनपद के गौरीगंज क्षेत्र अंतर्गत सैंठा रोड स्थित बाहापुर ग्राम पंचायत में 0.285 हेक्टेयर भूमि पर इस विशिष्ट प्रशासनिक भवन की स्थापना की जा रही है। गृह एवं गोपनीय विभाग द्वारा वित्तपोषित इस महत्वपूर्ण परियोजना की कुल लागत 3.69 करोड़ रुपये है। कार्यदायी संस्था के रूप में उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की निर्माण इकाई द्वारा भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण मानकों के अनुरूप सुनिश्चित कराया जा रहा है। जिला प्रशासन की सतत निगरानी में परियोजना का 90 प्रतिशत से अधिक भौतिक निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्यों को भी समयबद्ध रूप से पूरा किया जा रहा है, जिससे आगामी पर्व दीपावली तक यह आधुनिक परिसर पूरी तरह तैयार होकर क्रियाशील होने की दिशा में अग्रसर है। इस भवन के क्रियान्वयन के उपरांत अमेठी में साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों, तकनीकी परीक्षण, डिजिटल साक्ष्यों की विवेचना और कानूनी प्रक्रियाओं के निष्पादन हेतु एक ही छत के नीचे आधुनिक अवसंरचना उपलब्ध हो सकेगी। भविष्य की साइबर सुरक्षा चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए इस भवन का वास्तु एवं तकनीकी प्रारूप विशेष रूप से तैयार किया गया है। भवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक अत्याधुनिक 'साइबर लैब एवं डिजिटल फोरेंसिक कक्ष' है। यहां कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क और सिम कार्ड जैसे डिजिटल उपकरणों का वैज्ञानिक व तकनीकी परीक्षण किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, डिलीट किए गए डेटा की सुरक्षित रिकवरी, इंटरनेट प्रोटोकॉल विश्लेषण और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े जटिल मामलों की त्वरित जांच संभव होगी। साइबर अपराधों की सफल कानूनी विवेचना में साक्ष्यों की सत्यता एवं उनकी सुरक्षा अत्यंत संवेदनशील विषय होती है। नए भवन में स्थापित होने वाली प्रयोगशाला से विवेचकों और तकनीकी विशेषज्ञों को साक्ष्यों की वैज्ञानिक प्रामाणिकता (चेन ऑफ कस्टडी) बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उपकरण सुलभ होंगे। इससे न्यायालयों में मामलों के सफल अभियोजन और अपराधियों को त्वरित सजा दिलाने में सहायता मिलेगी। आम नागरिकों और पीड़ितों की त्वरित सुनवाई हेतु भवन परिसर में एक समर्पित 'शिकायत एवं सहायता कक्ष' स्थापित किया जा रहा है। यह सहायता केंद्र केंद्रीय गृह मंत्रालय के नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल तथा राष्ट्रीय वित्तीय धोखाधड़ी हेल्पलाइन नंबर श्1930श् के साथ रियल-टाइम समन्वय में कार्य करेगा। किसी भी ऑनलाइन ठगी की स्थिति में त्वरित सूचना दर्ज कर संबंधित बैंकों, वित्तीय संस्थानों और पेमेंट गेटवे से संपर्क स्थापित कर धन की निकासी पर तत्काल रोक लगवाने में यह व्यवस्था अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

जरा हटके

श्रीमती ममता के...

बी0एल0 यादव

समूह की महिला सदस्य ने मिट्टी के कुल्हड़ों से गढ़ी आत्मनिर्भरता की कहानी

उत्तर प्रदेश के झाँसी जनपद के चिरगाँव विकासखंड के ग्राम उज्ज्यान की रहने वाली 30 वर्षीय श्रीमती ममता प्रजापति आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायी मिसाल बन चुकी हैं। कभी परिवार की सीमित आय से घर चलाने में सहयोग देने की चिंता करने वाली ममता ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपने लिए रोजगार का अवसर तैयार किया, बल्कि पारंपरिक मिट्टी के कुल्हड़ों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अपना उद्यम खड़ा किया। आज उनकी मिट्टी के कुल्हड़ बनाने की इकाई से उन्हें औसतन रू 16,000 प्रतिमाह तथा लगभग रू0 2 लाख वार्षिक आय प्राप्त हो रही है।

श्रीमती ममता ने 10वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की है। विवाह के बाद उनका अधिकांश समय घर-परिवार की जिम्मेदारियों में बीतता था। उनके पति दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करते थे। सीमित आय और बढ़ते घरेलू खर्चों के बीच ममता ने महसूस किया कि यदि वह स्वयं भी कोई रोजगार शुरू करें, तो परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इसी सोच ने उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

श्रीमती ममता के जीवन में बदलाव की शुरुआत 'अमृत माटी स्वयं सहायता समूह' से जुड़ने के साथ शुरू हुई। समूह की बैठकों में नियमित सहभागिता ने उनमें बचत, अनुशासन, सामूहिक प्रयास और आर्थिक



प्रबंधन की समझ विकसित की। स्वयं सहायता समूह से मिली प्रेरणा और सहयोग ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और उन्हें अपना उद्यम शुरू करने का साहस दिया। स्वयं सहायता समूह के सहयोग से ऋण प्राप्त कर ममता ने मिट्टी के कुल्हड़ बनाने की इकाई स्थापित करने का निर्णय लिया। उन्होंने पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए मशीन के माध्यम से मिट्टी के कुल्हड़ एवं मिट्टी के कप तैयार करने का कार्य शुरू किया। मशीन के उपयोग से उत्पादन क्षमता बढ़ी और शारीरिक श्रम भी कम हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया को समझा, उत्पाद की गुणवत्ता पर ध्यान दिया और स्थानीय बाजार की मांग के अनुरूप अपने कार्य को आगे बढ़ाया। उद्यम की शुरुआत आसान नहीं थी। ममता के सामने कच्चे माल की व्यवस्था, बाजार की जरूरतों को समझने, उत्पादों को ग्राहकों तक पहुँचाने और व्यवसाय का हिसाब-किताब रखने जैसी कई चुनौतियाँ थीं। लेकिन उन्होंने चुनौतियों को बाधा नहीं, बल्कि सीखने के अवसर के रूप में लिया। निरंतर प्रयास और सीखने की इच्छा के साथ उन्होंने अपने व्यवसाय को धीरे-धीरे मजबूत बना लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें व्यवसाय की योजना बनाने, उत्पादन प्रक्रिया को बेहतर करने, लागत प्रबंधन, बाजार की संभावनाओं को समझने और मार्केट लिंकेज विकसित करने की जानकारी मिली। उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने के साथ-साथ व्यवसाय के व्यवस्थित संचालन के लिए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैनर सपोर्ट और बही-खाता रखने के लिए रजिस्टर उपलब्ध होने से भी उनके उद्यम को व्यवस्थित रूप देने में मदद मिली। आज ममता अपने गाँव में रहकर ही आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उनकी इकाई में तैयार किए गए मिट्टी के कुल्हड़ स्थानीय बाजार और आसपास के क्षेत्रों में उपयोग किए जा रहे हैं। पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच मिट्टी के कुल्हड़ों की मांग उनके व्यवसाय के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। श्रीमती ममता की सफलता का सबसे बड़ा पहलू यह है कि उन्होंने अपनी परिस्थितियों को अपनी प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया। स्वयं सहायता समूह से मिले सहयोग, प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपना व्यवसाय खड़ा किया। आज वह परिवार की आर्थिक जरूरतों में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं और अपने हुनर के माध्यम से अपनी अलग पहचान बना रही हैं। ममता का सपना अब अपने उद्यम को और अधिक विस्तार देने का है। वह उत्पादन बढ़ाना, बाजार से बेहतर जुड़ाव स्थापित करना और भविष्य में अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करना चाहती हैं। उनका मानना है कि प्रदेश सरकार के सहयोग से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजनाओं के माध्यम से यदि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और अवसर मिलें, तो महिलायें अपने घर और गाँव में रहते हुए भी आत्मनिर्भर बन सकती हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की नीतियां, योजनाएं आज धरातल पर उतर रही है। श्रीमती ममता प्रजापति की कहानी इस बात का उदाहरण है कि स्वयं सहायता समूह केवल बचत और ऋण का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास, कौशल और उद्यमशीलता को नई दिशा देने का सशक्त मंच है। मिट्टी को आकार देकर कुल्हड़ बनाने वाली ममता ने उसी मिट्टी से अपने सपनों को भी आकार दिया है। आज उनका उद्यम उनके परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर ग्रामीण महिला की नई पहचान गढ़ रहा है।

विपक्ष का एजेंडा- देश में आतंकी पैदा करना और बांग्लादेश की तरह सरकार बदलना

राहुल युवाओं को भटका रह : राजनाथ

देश के युवाओं को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ये सरकार को डंके की चोट पर गिराने की बात करते हैं। इससे साफ है कि उनका एकमात्र एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को ध्वस्त करना और देश में आग लगाना है।

सत्ता हासिल करने की साजिश रची जा रही है

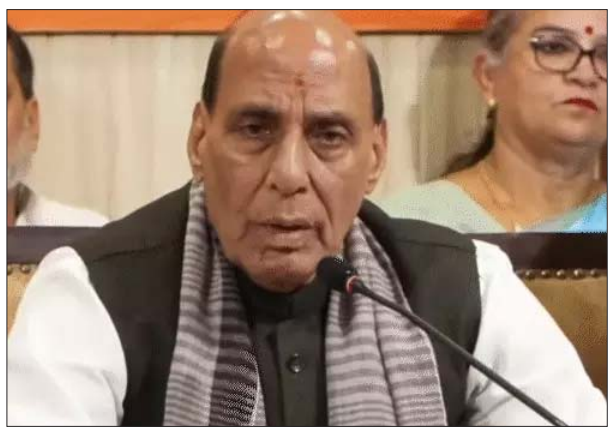
'Regime Change' जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाना साफ करता है कि उनकी लड़ाई चुनाव सुधार के लिए नहीं है। उनकी लड़ाई SIR और ज्ञानेश कुमार के लिए नहीं है और न ही उनकी लड़ाई देश के नौजवानों के उज्ज्वल भविष्य के लिए है। बल्कि, यह लड़ाई देश में अराजकता पैदा करने और किसी भी तरह सत्ता हासिल करने की साजिश का हिस्सा है।

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें दिल्ली में हुए प्रदर्शनों पर सवाल उठाए। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस और उनके सहयोगी दल युवाओं को भटका रहे हैं। बांग्लादेश की तर्ज पर देश में जबरन सरकार बदलना चाहते हैं। उनका एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म करना और देश में आतंकी पैदा करना है।

राजनाथ ने राहुल गांधी से पूछा- क्या आप बिना सपा के समर्थन के अपनी रायबरेली सीट जीत पाएंगे। कांग्रेस 37 साल से यूपी की सत्ता से बाहर है। यह वोट चोरी के कारण नहीं, बल्कि काम चोरी के कारण है।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

लखनऊ में कांग्रेस दफ्तर में हुई मारपीट पर राजनाथ ने कहा- कांग्रेस के लोगों को खुद ही एक दूसरे पर भरोसा नहीं है, तभी वो आपस से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। उनका इशारा लखनऊ में कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में रविवार को पार्षद ममता चौधरी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के समर्थकों के बीच हुई बहस और मारपीट की तरफ था।

यूपी में 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। कुल 80 सीटों में से सपा ने 63 और कांग्रेस ने 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें रायबरेली और अमेठी की सीट भी शामिल हैं। रायबरेली से राहुल और अमेठी से किशोरी लाल शर्मा ने जीत हासिल की थी। राहुल ने वोट चोरी को हाइड्रोजन बम बताया था, लेकिन वह पटाखा भी साबित नहीं हुआ।

कांग्रेस के इतिहास के पन्ने में कई काले अध्याय

कांग्रेस के इतिहास के पन्ने में कई काले अध्याय मिलेंगे। कांग्रेस ने चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया को कठपुतली बनाकर रखा। 1993 में रातों-रात 2 नए चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिए। तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयुक्त नवीन चावला को हटाने के लिए राष्ट्रपति को पत्र लिखा। नवीन चावला को कांग्रेस ने बचाया और फिर मुख्य चुनाव आयुक्त बना दिया।

चुनाव आयुक्त एमएस गिल कांग्रेस सरकार में मंत्री बने

कांग्रेस राज में नियुक्त चुनाव आयुक्त एमएस गिल कांग्रेस सरकार में मंत्री बने थे। 5 दशक तक बिना वोटर आईडी के चुनाव होते थे। जब से वोटर आईडी आया है, कांग्रेस के लिए बहुमत दूर की बात हो गई है। कांग्रेस ने कभी बहुमत की सरकार नहीं बनाई। यूपी में कांग्रेस को 1985 में आखिरी बार जीत मिली थी।

ऑक्सीजन सिलेंडर लदी पिकअप डिवाइडर से टकराई, 2 की मौत

टक्कर के बाद केबिन में फंसे थे दोनों

तमसा संकेत, एजेंसी



मोहनलालगंज । लखनऊ में शुक्रवार शाम ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदी एक पिकअप डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में ड्राइवर और कंडक्टर की मौत हो गई, जबकि पिकअप में सवार तीसरे व्यक्ति को भर्ती कराया गया है। पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद चालक समेत दो लोग केबिन में फंस गए। सूचना पर पहुंची निगोहां पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को बाहर निकाला।

इसके बाद उन्हें मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां ड्राइवर और परिचालक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसा निगोहां क्षेत्र में शेखपुरा टोल प्लाजा के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप में लदे ऑक्सीजन सिलेंडर सड़क पर बिखर गए। मृतकों की पहचान इंद्रजीत पटेल (55) और रमेश चंद्र के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे निगोहां पुलिस को सूचना मिली कि शेखपुरा टोल प्लाजा के पास ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदी पिकअप डिवाइडर से टकरा गई है। सूचना मिलते ही निगोहां थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पिकअप डिवाइडर से टकराई हुई मिली, जबकि उसमें लदे सिलेंडर सड़क पर चारों तरफ बिखरे पड़े थे। टक्कर के कारण पिकअप का अगला हिस्सा दब गया था।

फास्ट न्यूज

दुर्गा पूजा में डांडिया की धुन पर झूमीं महिलाएं

लखनऊ । लखनऊ के जानकीपुरम स्थित सहारा स्टेट शहर दुर्गा पूजा में संगीत की धुन शुरू होते ही कदम थिरकने लगे। हाथों में डांडिया स्टिक लिए महिलाएं गोल घेरे में आईं और ताल से ताल मिलाकर गरबा किया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, गुजराती गीतों की धुन और डांडिया की खनक से सहारा स्टेट्स में आयोजित गरबा नाइट की शाम उत्सव के रंग में रंग गई।

जैन मंदिर में सिद्ध चक्र महामंडल विधान शुरू

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर स्थित जैन मंदिर में आचार्य श्री सुबल सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य और पंडित अरविन्द शास्त्री के निर्देशन में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन 16 से 21 अक्टूबर तक किया जा रहा है। शुक्रवार को पहले दिन भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, महिलाओं की घट यात्रा और सिद्ध चक्र पूजन विधान हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर पूजा-अर्चना की। आचार्य श्री सुबल सागर जी महाराज ने प्रवचन में बताया कि सिद्ध चक्र विधान सिद्धों की आराधना और आत्मकल्याण का महत्वपूर्ण धार्मिक माध्यम है।

फैजुल्लागंज बाढ़ का प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण

लखनऊ । लखनऊ के फैजुल्लागंज इलाके में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से गंभीर जलभराव की स्थिति बन गई है। इस आपदा से क्षेत्र के लगभग 6,500 घर और 50 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। स्थिति का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने शुक्रवार को फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया।

कविताओं के जरिए राजनीति पर प्रहार, वीर रस से गूंजा पंडाल

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। नवरात्र की भक्ति के बीच जब कवियों ने शब्दों के बाण चलाए तो कभी पंडाल ठहाकों से गूंज उठा, तो कभी राष्ट्रभक्ति की रचनाओं ने श्रोताओं में जोश भर दिया। मां की ममता, प्रेम की संवेदना और किसानों की समस्याओं को स्वर देती कविताओं ने साहित्य प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। मौका था सूरतगंज क्षेत्र की जफरपुर ग्राम पंचायत में नवदुर्गा जागरण के पांचवें दिन आयोजित भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का। देर रात तक चले इस साहित्यिक आयोजन में कवियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं को बांधे रखा।नवदुर्गा जागरण समिति के अध्यक्ष अजय सिंह राठौर की अगुवाई में आयोजित सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों ने हास्य-व्यंग्य, वीर रस, श्रृंगार, भक्ति और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रचनाएं प्रस्तुत कीं। मां दुर्गा के जयकारों के बीच कविता और साहित्य का ऐसा रंग जमा कि श्रोता देर रात तक पंडाल में डटे रहे। राजनीति पर किए गए इस व्यंग्य ने श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। रचना की पंक्तियों पर पंडाल तालियों और ठहाकों से गूंज उठा। हास्य के साथ सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों पर सवाल उठाने वाली इस प्रस्तुति ने कार्यक्रम में खास रंग भर दिया।

वीर रस के कवि डॉ. पवन त्रिवेदी 'अंगार' ने अपनी ओजपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम का भाव जगाया। उन्होंने महाराणा प्रताप और वीरता व बलिदान के प्रतीकों का स्मरण कराते हुए पंक्तियां पढ़ीं

उनकी ओजस्वी वाणी और वीर रस से ओतप्रोत रचना पर श्रोताओं ने तालियों के साथ उत्साह जताया।

राजनाथ की पीसी में दूसरी पंक्ति में दिखीं मेयर, पार्टी नेताओं से नाराजगी के संकेत

भाजपा मुख्यालय में मेयर सुषमा खर्कवाल को पीछे बैठाया

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। शुक्रवार, 16 अक्टूबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल को पहली पंक्ति के बजाय दूसरी पंक्ति में सुरक्षाकर्मियों के साथ बैठाया गया। जबकि, मंच पर पहली लाइन में राजनाथ सिंह के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह और मीडिया संयोजक मनीष दीक्षित बैठे थे।

जानकारों के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मेयर के कामकाज से खुश नहीं हैं। वहीं, मेयर और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के बीच भी राजनीतिक खींचतान की चर्चा है। लखनऊ के कई भाजपा विधायक और पार्षद भी मेयर से नाराज बताए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि मेयर उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेतीं। नगर निगम के कामकाज में ढिलाई और लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं देने को लेकर भाजपा के कई विधायक पार्टी के बड़े नेताओं को चिट्ठी भी लिख चुके हैं। मेयर और जनप्रतिनिधियों के बीच इस नाराजगी और खींचतान का मामला कई बार दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व तक भी पहुंच चुका है।

मेयर और पार्षदों के बीच फंड को लेकर भी भारी खींचतान चल रही है। अगस्त महीने में एक दर्जन से ज्यादा पार्षदों ने मेयर पर विकास कार्यों के लिए बजट न देने का गंभीर आरोप लगाया था। दरअसल, लखनऊ नगर निगम में इसी साल मई में 68 करोड़ 66 लाख रुपए का बजट पास किया गया था। इसमें अवस्थापना निधि के 55.40 करोड़ रुपए और 15वें वित्त आयोग से मिले 13 करोड़ रुपए शामिल थे। ये फंड पार्षदों को मिलने वाले सालाना 2.10 करोड़ रुपए के विकास फंड से अलग था।



ये प्रेस कॉन्फ्रेंस की तस्वीर है। मंच पर मेयर सुषमा खर्कवाल पीछे बैठी हैं। किसी को फोन लगाती दिख रही हैं।

आरोपों पर मेयर का कहना है कि विकास फंड का आवंटन जरूरत के हिसाब से किया जाता है और किसी भी वार्ड के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ है। उन्होंने पार्षदों के दावों को खारिज करते हुए कहा कि कुछ पार्षद किसी राजनीतिक दबाव या इशारे पर उन पर झूठे आरोप लगा रहे हैं।

महानगर अध्यक्ष को कुर्सी तक नहीं मिली

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लखनऊ महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी को बैठने के लिए कुर्सी तक नहीं दी गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान वे सुरक्षा कर्मियों के साथ खड़े ही रहे। इसे लेकर भी संगठन के अंदर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के अधिकारी हमेशा शीर्ष नेताओं के साथ पहली पंक्ति में दिखाई देते हैं।

लखनऊ में मां ने कहा था- बेटी ने शादी से मना किया तो धक्का देकर हत्या की

गर्लफ्रेंड की होटल से गिरकर मौत, बॉयफ्रेंड का सरेंडर

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ के समरीन हत्याकांड में फरार बॉयफ्रेंड ने सरेंडर कर दिया है। आरोपी अवनीश जायसवाल उर्फ देव गुरुवार शाम अपने वकील के साथ ACJM कोर्ट पहुंचा। जहां कानूनी प्रक्रिया के तहत उसे हिरासत में ले लिया गया।

एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेने के लिए जल्द ही कोर्ट में अर्जी दी जाएगी। रिमांड के बाद पुलिस उससे पूछताछ शुरू करेगी और जल्द से जल्द मामले का खुलासा करेगी।

24 साल की समरीन की सोमवार शाम 6.30 बजे होटल सेलेस्टियल मैन्योर की 10वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। वह अवनीश के साथ रुकी थी। उसके गिरने के बाद अवनीश भाग गया था। दोनों ने होटल में दोपहर 12 बजे चेक-इन किया था।

समीरन की मां ने आरोप लगाया था कि अवनीश बेटी पर शादी का दबाव बना रहा था। मना करने पर उसने समरीन को धक्का देकर नीचे फेंक दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में समरीन की मौत का कारण गंभीर चोटों के चलते शॉक और हैमरेज बताया गया। ऊंचाई से गिरने से उसकी कमर और दोनों पैर टूट गए थे। सिर में गंभीर चोट आई थी।



दिन में दोनों होटल आए शाम को लड़की गिरी

पुलिस के मुताबिक, समरीन लखनऊ की ही रहने वाली थी। अवनीश उर्फ देव सुल्तानपुर की दोस्तपुर नगर पंचायत के मोहल्ला फिरोजपुर खुर्द का रहने वाला है। समरीन एक होटल में काम करती थी और शादीशुदा थी। उसका पति से तलाक का केस चल रहा है। इसे लेकर सोमवार को पेशी थी, लेकिन वह नहीं गई। वह सुबह 11 बजे बहन हबीबा के लिए कपड़े लेने की बात कहकर घर से निकली थी।

अवनीश ने होटल का कमरा नंबर-1037 बुक कराया था। वह सोमवार दोपहर 12 बजे समरीन के साथ होटल पहुंचा। शाम 6 बजे समरीन बालकनी से नीचे गिर गई। यह देखकर देव दौड़कर लिफ्ट में घुस गया। इसके बाद वह ग्राउंड फ्लोर से बाहर निकला, फिर पार्किंग से अपनी बाइक लेकर वहां से भाग गया। कुछ देर बाद पुलिस पहुंची। सबूत इकट्ठा किए। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

'84 लाख आवेदन के मुकाबले 71 लाख फॉर्म-6 ही सार्वजनिक'

संजय सिंह का आरोप- वोट चोरी की तैयारी कर रही भाजपा

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसआईआर के बाद नए वोटरों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि नाम जोड़ने के लिए 84 लाख आवेदन आए, लेकिन चुनाव आयोग ने केवल 71 लाख फॉर्म-6 ही सार्वजनिक किए।

उन्होंने पूछा कि बाकी 13 लाख नाम किस आधार पर जोड़े गए। संजय सिंह ने इस मामले में चुनाव आयोग से जवाब मांगा। साथ ही भाजपा पर वोट चोरी की तैयारी करने का आरोप लगाया।

संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले 15 करोड़ 44 लाख मतदाता थे। एसआईआर के बाद करीब 2 करोड़ 90 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने का दावा करते हुए उन्होंने बताया कि नाम जोड़ने के लिए 84 लाख और नाम हटाने के लिए 4 लाख 30 हजार आवेदन आए। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों के आधार पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया का पूरा ब्योरा सामने आना चाहिए। आप सांसद ने कहा कि चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक फॉर्म-6 का विवरण सार्वजनिक होना चाहिए, ताकि राजनीतिक दलों को पता चल सके कि किस विधानसभा क्षेत्र और किस बूथ पर किन मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब 84 लाख आवेदन आए तो केवल 71 लाख फॉर्म-6 ही सार्वजनिक क्यों किए गए?

आरोप : मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, पीसीएफ बिल्डिंग पर हंगामा

राजधानी में आजाद समाज पार्टी की पुलिस से धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। हुसैनगंज स्थित PCF बिल्डिंग पर कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया।

प्रदेश सचिव अनिकेत धानुक ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या की है। उन्होंने कहा कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक पार्टी के कार्यकर्ता सड़क पर प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि 35 करोड़ से ज्यादा वोटों की चोरी कर अलग-अलग राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मदद की गई। अनिकेत धानुक ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और उनके इशारे पर पूरा चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए पार्टी सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। प्रदर्शनकारी अनिकेत ने कहा कि चुनाव आयोग मर चुका है, भाजपा का पिट्ठू बन चुका है लगातार बेमानी करवा रहा है। इन लोगों ने पहले बिहार और पश्चिम बंगाल लूटा अब उत्तर प्रदेश को लूटने की तैयारी कर रहे हैं।



'राजा की जान तोते में'

प्रदर्शन कर रहे अमन कुमार धानुक ने कहा ज्ञानेश कुमार ने हमसे वोट का अधिकार छीना है इसलिए हम उनका इस्तीफा लेने आए हैं। जब तक इस्तीफा नहीं हो जाएगा हम लोग रुकने वाले नहीं हैं। जैसे राजा राजा की जान तोते में होती है वैसे ही मोदी की जान ज्ञानु में है। आज हम लोग यहां प्रदर्शन कर रहे हैं । अगर जरूरत पड़ी तो दिल्ली भी जाएंगे हमारे नेता चंद्रशेखर आजाद लगातार वोट चोरी को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

महिलाओं की सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ । लखनऊ के तेलीबाग स्थित राम भरोसे मैकूलाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तीकरण के प्रति जागरूकता के लिए मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं को महिला सुरक्षा और आपातकालीन सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम, लैंगिक समानता, बालिका शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की भागीदारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। छात्र-छात्राओं को बताया गया कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। छात्राओं को किसी भी तरह के उत्पीड़न या हिंसा की स्थिति में निर्भीक होकर शिकायत करने और उपलब्ध सहायता सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने किया।

समान वेतन की मांग को लेकर किया था प्रदर्शन, 70-80 अज्ञात पर केस दर्ज

बॉन्डेड डॉक्टरों पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में समान वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे बॉन्डेड MBBS डॉक्टरों के खिलाफ हजरतगंज पुलिस ने FIR दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, 14 अक्टूबर को विधानसभा के पास अटल चौक स्थित गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन के दौरान 70-80 डॉक्टरों ने सड़क जाम कर दिया। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने सरकारी काम में बाधा डाली और पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता की।

दरअसल, गुरुवार को डॉक्टरों ने समान वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। गले में स्टेथोस्कोप और मुंह पर टेप लगाकर पहुंचे डॉक्टरों ने पुलिस के सामने हाथ जोड़कर गुहार लगाई। कुछ डॉक्टर सड़क पर लेट गए। डॉक्टरों ने 1090 चौराहे से चेन बनाकर सीएम आवास की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। डॉक्टरों को सड़क पर बैठा देख ACP भी जमीन पर बैठ गए। उन्होंने हाथ जोड़कर डॉक्टरों से धरना खत्म करने की अपील की।

सचिवालय चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक (SI) बागेश कुमार द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, 14 अक्टूबर 2026 की सुबह लगभग 10 बजे 70 से 80 अज्ञात व्यक्ति जिनमें कुछ डॉक्टर की पोशाक में और हाथों में तख्तियां-बैनर लिए हुए थे। अचानक गांधी प्रतिमा के सामने फुटपाथ पर जमा हो गए। वे मानदेय विसंगतियों को दूर करने और समान वेतन का आश्वासन मिलने को लेकर उप-मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों को समझाया कि यह क्षेत्र विधानसभा व लोक भवन के पास है। प्रतिबंधित क्षेत्र है। यहां धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। हालांकि, प्रदर्शनकारी और अधिक उग्र हो गए और मुख्य सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने सड़क खाली कराने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारियों ने इसका विरोध किया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से अभद्रता की। इसके बाद वे जीपीओ (GPO) के सामने रोड और फुटपाथ पर बैठ गए।

आगरा में आंधी-बारिश, योगी का दौरा कैंसिल

अलर्ट

मथुरा में भी तेज बरसात, स्कूलों को बंद करना पड़ा, पश्चिम के 37 जिलों में अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। पश्चिमी यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह से आगरा, मथुरा और हाथरस समेत 5 शहरों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुक कर बारिश हो रही है। आगरा में इतनी बारिश हुई कि सीएम को योगी का दौरा रद्द करना पड़ा।

मथुरा में आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। सभी स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी। हाथरस मंडी में रखी धान की हजारों बोरियां भीग गईं। सड़कों में पानी भर गया। आज 37 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है।

लखनऊ मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तरी पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के पास बने पश्चिमी विक्षोभ के असर से पश्चिमी यूपी में मौसम बदला है। कल पूर्वी यूपी में भी



हल्की बारिश हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को नोएडा और गाजियाबाद समेत 20 शहरों में आंधी-बारिश हुई। नोएडा में 7 मंजिला कॉमर्शियल बिल्डिंग की शटरिंग गिर गई। कासगंज में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई।

उधर, लखनऊ में बाढ़ से हालात बिगड़े हुए हैं। फैजुल्लागंज इलाके की 3 लाख से ज्यादा आबादी प्रभावित है। गोमती का जलस्तर घटने जरूर लगा है, लेकिन घरों में 20वें दिन भी पानी भरा है। मथुरा में शुक्रवार सुबह से आंधी चल रही है। तेज बारिश हो रही है। बारिश से मौसम ठंडा हो गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने भारी बारिश को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी कर दी है।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बीएचयू के भू-भौतिकी विभाग के तकनीकी अधिकारी एवं मौसम वैज्ञानिक शिव मंगल सिंह ने किसानों को मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार खेती-किसानी की गतिविधियां संचालित करने की सलाह दी है।

उन्होंने बताया कि इस समय धान की फसल दाना भरने से लेकर पकने की अवस्था में है। किसानों को खेतों में नमी की स्थिति पर नजर रखनी चाहिए और जरूरत के अनुसार ही सिंचाई करनी चाहिए। फसल

> आगरा में खराब मौसम के चलते सीएम योगी का दौरा रद्द हो गया है। उन्हें आज सुबह करीब 11 बजे आगरा पहुंचना था। यहां पर उन्हें ताज ईस्ट गेट पर निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम का निरीक्षण करना था। एमएलसी चुनाव के लिए जनसभा करनी थी।

हाथरस में मूसलाधार बारिश, मंडी में रखी फसल भीगी

हाथरस में आज सुबह 4:00 बजे पहले तेज और फिर रिमझिम बारिश हुई। बारिश के बाद सुबह से ही ठंडी हवाएं चल रही हैं। बारिश से शहर में स्थान स्थान पर जल भराव हो गया। कृषि उत्पादन मंडी समिति में किसानों का धान भीग गया।

पकने पर समय से कटाई करें और कटाई के बाद उपज को नमी से बचाकर सुरक्षित स्थान पर रखें। भिंडी, लौकी, तोरई, कद्दू, पत्तागोभी और फूलगोभी



की तैयार उपज की समय पर तुड़ाई और कटाई करने की सलाह दी गई है। खेतों में जलभराव न होने दें और फसलों में कीट व रोग के लक्षणों की नियमित निगरानी करें।

आगरा में 50 साल पुराना पुल होगा ध्वस्त

अर्जुन नगर के लोग बोले- दिवाली बाद कार्रवाई हो

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । शहर के व्यस्ततम ईदगाह-खेरिया रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का नवनिर्माण 17 अक्टूबर से शुरू होगा। पहले इस पुल की मरम्मत की योजना थी, लेकिन 50 वर्ष की अवधि पूरी होने के कारण रेल प्रशासन ने नया पुल बनाने का निर्णय लिया है। निर्माण के चलते 90 दिनों तक सड़क यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। आगरा रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि इस आरओबी का निर्माण वर्ष 1970 में हुआ था। संरचनात्मक रूप से कमजोर होने के चलते अब इसे नया बनाया जाएगा। रेलवे ने 15 जनवरी 2027 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

पुल बंद होने की अवधि में वाहन चालकों को अर्जुन नगर तिराहे से बारह खंभा डबल फाटक मार्ग स्थित



रेलवे फाटक संख्या 75 से होकर गुजरना होगा। इससे खेरिया मोड़, अर्जुन नगर, अजीत नगर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात का दबाव बढ़ेगा। लोगों को जाम और धूल की समस्या का सामना करना पड़ेगा। रेल प्रशासन ने लोगों से यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उधर, ईदगाह-खेरिया आरओबी को 17 अक्टूबर से बंद करने के विरोध में अर्जुन नगर और अजीत नगर के निवासी लामबंद हो गए हैं। बृहस्पतिवार को श्रीराम सेवा सदन में क्षेत्रीय लोगों ने बैठक कर दिवाली के बाद पुल बंद करने की मांग की।

फास्ट न्यूज

क्या आने वाले दिनों में और महंगी होगी चीनी

कानपुर। देश में चीनी की बढ़ती कीमतों के पीछे गन्ने की घटती पैदावार, बेमौसम और अधिक बारिश, खेती की बढ़ती लागत और कच्चे माल की महंगाई जैसे कई कारण हैं। यह कहना है एनएसआई के स्थापना दिवस में आए शुगर इंडस्ट्री से जुड़े पूर्व छात्रों का। उन्होंने बताया कि मजदूरी और रसायनों की कीमतें बढ़ने से चीनी उत्पादन की लागत भी लगातार बढ़ रही है।

होमगार्ड भर्ती में वसूली, 2 डॉक्टर समेत 3 हिरासत में

कानपुर । कानपुर में होमगार्ड भर्ती के मेडिकल टेस्ट में वसूली को लेकर गुरुवार देर शाम जमकर हंगामा हुआ। अभ्यर्थियों ने मेडिकल में अनफिट करने का डर दिखाकर रुपए मांगने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस लाइन में एक डॉक्टर की कार में बैठे युवक अजीत को पीट दिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस की जांच में ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर होने की पुष्टि हुई। इसके बाद होमगार्ड कमांडेंट कार्यालय के अधिकारी की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया।

आगरा में जीएसटी छापों पर भड़के व्यापारी

आगरा। आगरा में GST विभाग की विशेष जांच शाखा (SIB) के सर्वे और छापों को लेकर व्यापारियों में नाराजगी बढ़ गई है। मंगलवार को प्रतिष्ठित ब्रजभोग मिष्ठान भंडार पर छापेमारी में 4 करोड़ रुपए की कर चोरी पकड़े जाने के बाद व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध किया। बृहस्पतिवार को जयपुर हाउस में आयोजित व्यापारी संवाद कार्यक्रम में उन्होंने अधिकारियों से दो टूक कहा कि त्योहारी सीजन में सर्वे के नाम पर व्यापारियों को परेशान न किया जाए।

सहारनपुर में महिला पंचायत सहायक की गला दबाकर हत्या

उम्र- 27 साल, कमरे में बेड पर मिली लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर । सहारनपुर में 27 साल की महिला पंचायत सहायक की गला दबाकर हत्या कर दी गई। लाश कमरे में चारपाई पर मिली। शुक्रवार सुबह जब भाई जगाने पहुंचा तो बहन कोमल को बेहोशी की हालत में पाया।

पानी के छींटे मारने के बाद भी नहीं उठी तो भागकर पुलिस के पास गया। कहा कि घर पर बहन की हत्या हो गई है। पुलिस, फॉरेंसिक टीमों के साथ मौके पर पहुंची। सबूत जुटाकर लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पता चला कि रात में घर पर कोमल और उसका भाई ही था। माता-पिता रोज की तरह घर के बाहर सो रहे थे। घटना जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर नागल थाना क्षेत्र के लखनौर



गांव की है। लखनौर गांव में वीरेंद्र और राजवती देवी अपने परिवार के साथ रहते हैं। घर में बड़ी बेटी कोमल के अलावा 2 बेटे हैं। मां ने बताया- कोमल संविदा पर महिला पंचायत सहायक थी। गुरुवार रात उसने खाना खाया। फिर वह अपने कमरे में सोने चली गई। एक बेटा काम के सिलसिले में बाहर गया हुआ है। दूसरा बेटा आशीष घर में ही था। मैं और पति, दोनों ने घर के काम खत्म किए और रोज की तरह घर के सामने बने घेर में सोने चले गए। राजवती देवी ने बताया- शुक्रवार सुबह 8 बजे चीख-पुकार सुनकर आंख खुली।

कहा- विदेशियों के इशारे पर षडयंत्र रचा जा रहा, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष पर निशाना

सीजेपी के आंदोलन के पीछे एलन मस्क : बृजभूषण

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का आरोप लगाया है। उन्होंने अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क के इशारे पर आंदोलन होने की बात कही। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा।

कहा-इस आंदोलन के पीछे अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क का हाथ है। कुछ विदेशी कारोबारी अपनी शर्तों पर भारत में कारोबार करना चाहते हैं और इसके लिए देश के खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा है। ये आंदोलन भी उसके इशारे पर हो रहा है। पूर्व सांसद गुरुवार को



उन्नाव के असोहा क्षेत्र स्थित आदि शक्ति पीठ मां पूर्वी देवी मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि वह अपने पूर्वजों की जड़े खोजने के लिए यहां आए हैं। उन्नाव से उनके पूर्वज गोंडा पलायन कर गए थे। बृजभूषण शरण सिंह ने उन्नाव की पुरवा तहसील को अपने पूर्वजों की जन्मभूमि और कर्मभूमि बताया। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों की जड़ों को तलाशने और उनसे जुड़े लोगों से संबंध बनाने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने बताया कि उनके पूर्वज उन्नाव की पुरवा



पुरवा पहुंचते ही बृजभूषण शरण सिंह को समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी।

> उन्नाव से चुनाव लड़ने की चर्चाओं पर बृजभूषण ने कहा कि वह मां पूर्वी देवी मंदिर में दर्शन करने और स्थानीय लोगों से संवाद करने आए हैं। उनका उद्देश्य अपने पूर्वजों के इतिहास की खोज करना है, राजनीति करना नहीं।

तहसील के रंजीत पूर्वा गांव से गोंडा गए थे। 1857 के दौर में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष के कारण उनके पूर्वजों को यहां से जाना पड़ा था। बृजभूषण के मुताबिक, उनके घर में बने ठाकुरद्वारे के जीर्णोद्धार के दौरान भी पूर्वजों से जुड़ी जानकारियां मिली थीं। वह लंबे समय से अपने पूर्वजों के गांव और वहां रहने वाले परिवारों से जुड़े लोगों की तलाश कर रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर विपक्ष को घेरा

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को लेकर बृजभूषण ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया अलग थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद नियुक्ति के लिए नई व्यवस्था बनाई गई। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रक्रिया के तहत नियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा मांगने के बजाय विपक्ष को जनता के बीच जाना चाहिए। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल 2029 का चुनाव जीतकर आएं और इसके बाद कानून में बदलाव करें। फिर जिसका इस्तीफा मांगना हो, मांगें। बृजभूषण ने कहा कि केवल मांग उठाने से संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के इस्तीफे नहीं होने चाहिए।

100 की स्पीड में कार पेड़ से टकराई, 3 की हालत गंभीर, सभी कासगंज से बेलोन मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे

बुलंदशहर में पिता-पुत्र और पोती समेत 5 की मौत







हादसे के बाद पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर सभी शवों को एक साथ रखा गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । बुलंदशहर में तेज रफ्तार ईको कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक परिवार के 4 लोगों समेत 5 की मौत हो गई। तीन लोगों की हालत गंभीर है। कार में 8 लोग सवार थे। सभी कासगंज से बेलोन मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। अगला हिस्सा 2 फीट तक पिचक गया। लोग अंदर ही फंस गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार 100 से ज्यादा रही

> एसडीएम डिबाई रविकांत चौबे ने बताया-हादसे की सूचना मृतक रामदीन के बड़े बेटे को दे दी गई है। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

होगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला। एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें हायर मेडिकल सेंटर अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। हादसा जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर डिबाई तहसील के नरौरा थाना क्षेत्र में हुआ। मृतकों की पहचान रामदीन (50), उसके बेटे लोकेंद्र (26), पोती प्रगति (1), बड़ी बहू बबिता (36) और ड्राइवर शिव शेखर मिश्रा (55) के रूप में हुई है।

हादसे में घायल ललिता ने बताया- उनके पति लोकेन्द्र डिलीवरी एजेंट का काम करते हैं। सभी सुबह 7 बजे माता रानी के दर्शन करने घर से निकले थे। रास्ते में अचानक कार पेड़ से टकरा गई। इसके बाद चीख-पुकार मच गई। जब तक कुछ समझ आता, इससे पहले ही पुलिस और कई लोग मौके पर पहुंच गए। सभी को कार से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि मेरे परिवार के बाकी लोग कहां हैं।

कासगंज से बेलोन माता के दर्शन करने जा रहे थे

रामदीन राजपूत (50) कासगंज के थाना सिडपुरा क्षेत्र के दहेली बुजुर्ग गांव के रहने वाले थे। उनके तीन बेटे हैं। बड़े बेटे प्रवीण और संजय दिल्ली में रहते हैं। छोटा बेटा लोकेन्द्र उर्फ टिंकू (26) गांव में रहता है। रामदीन की तीन बेटियां भी हैं। इनमें से दो की शादी हो चुकी है।

शुक्रवार सुबह रामदीन परिवार के साथ बुलंदशहर के नरौरा के पास बेलोन गांव स्थित सर्वमंगला माता (बेलोन माता) के दर्शन करने जा रहे थे। कार में उनके लोकेन्द्र, बहू ललिता (20), बड़ी बहू बबिता, पोता प्रतीक और पोतियां अनिका (11) प्रगति (1) थीं। कार गांव के ही शिवशेखर मिश्रा चला रहे थे।

कच्चा बादाम गाना बजते ही भड़कीं अंजलि अरोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । 'कच्चा बादाम' गाने के वीडियो से फेमस हुई अंजलि अरोड़ा गुरुवार को कानपुर में भड़क गईं। गुरुवार रात नगाड़ा नाइट डांडिया में डीजे पर 'कच्चा बादाम' गाना बजते ही उन्हें गुस्सा आ गया। उन्होंने मंच से कहा- आर्टिस्ट की रिस्पेक्ट करनी नहीं आती क्या। बुलाइए ऑर्गनाइजर को। कहां है मैनेजमेंट।

15 अक्टूबर को मोती झील स्थित लाजपत भवन में अंजलि अरोड़ा की एक झलक पाने के लिए हजारों लोग पहुंचे। कार्यक्रम शाम 7:30 बजे शुरू हुआ। लंबे इंतजार के बाद रात करीब 9:52 बजे वह मंच पर पहुंचीं। प्रोग्राम के दौरान वह तीन बार नाराज हुईं। करीब 12 मिनट तक प्रोग्राम में रूकने के बाद वह मंच से चली गईं।

अंजलि अरोड़ा के मंच पर पहुंचने से पहले कार्यक्रम में लोग फिल्मी गानों पर डांडिया करते नजर आए।



गुरुवार रात करीब 9:52 बजे अंजलि मंच पर पहुंचीं। उन्होंने सबसे पहले कानपुर के लोगों से बातचीत करते हुए पूछा, 'कानपुर वाले कैसे हैं?' इसके बाद उन्होंने 'नगाड़ा संग ढोल बाजे' गाने पर ऑडियंस के साथ डांस किया।

कुछ ही मिनट बाद एक पंजाबी गाने के दौरान उन्होंने माइक हाथ में ले लिया। ऑडियंस की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'ये कैसा इंतजाम है? यहां तो ऑडियंस को देखा नहीं जा रहा है। एक ऑडियंस के कुछ लग गया है, इसका ख्याल रखिए।' इसके बाद उन्होंने दोबारा डांस शुरू किया, लेकिन इसी बीच डीजे ने 'कच्चा बादाम' गाना बजा दिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

पुलिस ने रोका सीजेपी...

यह किसी अघोषित आपातकाल से कम नहीं है। असहमति से डरने वाली सरकार अब पूरी पीढ़ी को चुप कराने के लिए डराने की कोशिश कर रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि अभिजीत दीपके को केवल इसलिए हिरासत में लिया गया क्योंकि वह राष्ट्रीय ध्वज लेकर निर्धारित स्थान की ओर जा रहे थे।

यूपी में आंधी-बारिश...

शुक्रवार सुबह केदारनाथ में तापमान -6C और बद्रीनाथ में -5C दर्ज किया गया। बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के बाद अब पछुआ हवा चल रही है। राज्य के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, 17 और 18 अक्टूबर को उत्तर बिहार के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है।

मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव हैं। इनके असर से अगले 4 दिन तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग में मौसम बदला रहेगा। शुक्रवार को ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना और शिवपुरी में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से मौसम बदल गया है। बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है। आज भी 7 जिलों में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। जयपुर में सुबह करीब 20 मिनट तक बारिश हुई।

मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सक्रिय है। इस वजह से अगले 4 दिन तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग में मौसम बदला रहेगा।

पति को सांप से...

मेरठ कोर्ट ने पिछले 3 दिन में 4 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। इससे पहले 14 अक्टूबर को नीले ड्रम वाली मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को फांसी की सजा सुनाई गई थी। सौरभ राजपूत के भाई राहुल और उनकी मां रेनू देवी भी कोर्ट पहुंची थीं।

17 अप्रैल, 2025 की रात रविता ने अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित कश्यप की गला घोटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद सांप डसने से मौत दिखाने के लिए बिस्तर पर सांप छोड़ दिया था। हत्या के 60 दिन बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी। एसीजेएम जयवीर सिंह नागर की कोर्ट में 551 दिन में 87 तारीखें और 12 से ज्यादा गवाहों के बयान हुए। 7 अक्टूबर को कोर्ट ने रविता और अमरदीप को दोषी करार दे दिया। मेरठ के डीजीसी केके चौबे ने कहा कि मेरठ क्रांति की भूमि रही है। अब यहां की न्यायपालिका अपराधियों को कड़ा संदेश दे रही है। हाल ही में नीला ड्रम हत्याकांड और अब सांप कांड में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है।

उन्होंने कहा कि अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल शव के टुकड़े करना ही जघन्य अपराध नहीं है। पवित्र रिश्तों, भरोसे और शादी के सात वचनों को तोड़ना भी गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में मृत्युदंड न देना न्याय के प्रति नरमी मानी जाएगी। केके चौबे के मुताबिक, जज ने टिप्पणी में मनुस्मृति, करवा चौथ, सावित्री और दुर्गा, लक्ष्मी व सरस्वती के रूप में भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस पत्नी से प्यार और देखभाल की उम्मीद थी, उसी ने पति की हत्या कर दी।

उन्होंने कहा कि ऐसे अपराध में सिर्फ एक व्यक्ति की जान नहीं जाती, बल्कि पूरे परिवार और समाज के रिश्ते भी प्रभावित होते हैं। अदालत में आरोपियों के तीन मासूम बच्चों के भरण-पोषण को लेकर भी चर्चा हुई। एडीजीसी क्राइम नीरज सोम ने बताया कि यह मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित था। अभियोजन पक्ष ने अदालत में 12 गवाह पेश किए। आरोप था कि पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की गला दबाकर हत्या की और सबूत छिपाने के लिए बिस्तर में सांप छोड़ दिया।

सरकार इस महीने...

यानी इसके बाद भी भाजपा को लगभग 20 सांसदों की जरूरत है।

राज्यसभा में 245 सीटें हैं। 3 खाली हैं। इस तरह 240 में से NDA के 153 सांसद हैं। यहां बिल को पास कराने के लिए 162 सांसद चाहिए। यानी, यहां भी NDA को छोटी पार्टियों के 9 सांसदों की जरूरत पड़ेगी।

अब केंद्र सरकार DMK से समर्थन लेने के लिए बातचीत कर रही है। तमिलनाडु चुनाव के बाद DMK का कांग्रेस से अलगाव हो चुका है।

इसके बाद DMK INDIA ब्लॉक से भी अलग हो गई। सूत्रों ने बताया कि सरकार कुछ छोटे दलों के संपर्क में भी है। इन दलों से बातचीत का मकसद सदन में सरकार के संख्या बल को मजबूत करना है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से परिसीमन बिल पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव संसद में रखने से पहले सभी दलों से चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में खड़गे ने चेतावनी दी कि सरकार को व्यापक संविधान संशोधन बिल को फिर जबरन पास कराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। ऐसी कोशिश पहले भी नाकाम रही है। खड़गे ने मानसून सत्र समापन नहीं होने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के 64 दिन बाद भी लोकसभा और राज्यसभा का सत्रावसान नहीं हुआ है।

सपा ने राज्यसभा...

योगी ने गाजियाबाद के डासना स्थित सुंदरदीप डीम्ड यूनिवर्सिटी में MLC स्नातक और शिक्षक चुनाव के लिए जनसभा को संबोधित किया। चुनाव में दिनेश कुमार गोयल और श्रीचंद शर्मा प्रत्याशी हैं। दिनेश कुमार गोयल गाजियाबाद और श्रीचंद शर्मा गौतमबुद्ध-नगर के रहने वाले हैं। इस चुनाव में मेरठ और सहारनपुर मंडल के मतदाताओं द्वारा वोट किया जाएगा। इस कार्यक्रम से पहले सीएम को इंदिरापुरम में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) का निरीक्षण करने जाना था, हालांकि कार्यक्रम रद्द हो गया।

योगी ने कहा- आज शारदीय नवरात्रि पर कई जगहों पर बड़ी-बड़ी रामलीलाएं चल रही हैं। कहीं उपद्रव नहीं। चारों ओर उत्सव का माहौल होता है। सपा की सरकार होती तो दंगे, कर्फ्यू होते। सपा के समय में ये कांवड़ यात्रा और रामलीलाएं संभव नहीं थी। उस समय नवरात्रि में दुर्गापूजा के पंडाल नहीं लग सकते थे।

योगी ने कहा- सपा का विकास से कोसों दूर कोई संबंध नहीं है। सपा का शिक्षा से कोई संबंध नहीं है। ये शिक्षा के दुश्मन हैं। सपा को युवाओं के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। चार बार प्रदेश में सपा की सरकार थी। इनकी सरकार में आपने देखा होगा, सपा ने प्रदेश में संकट ही खड़ा किया। सुरक्षा, विकास, पहचान, रोजगार का संकट था। शिक्षकों के सामने संकट था। सपा सरकार में प्रदेश की पहचान दंगे, कर्फ्यू, लूट, उजड़ी सड़कें, नदारद बिजली थी।

सुप्रीम कोर्ट का...

हालांकि, दिल्ली पुलिस ने CJP का प्रदर्शन रोक दिया था।

पार्टी की टॉप लीडरशिप अभिजीत दीपके,सौरव दास और आशुतोष रांका को विमान से ही हिरासत में ले लिया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने तीनों को रविवार सुबह करीब 10 बजे रिहा करने का आदेश दिया था। तीनों 23 घंटे पुलिस कस्टडी में रहे।

वहीं अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और 2 पूर्व सीएम समेत 7000 लोगों को भी हिरासत में लिया था। दो जगह पथराव भी हुआ था, जिसमें पुलिस के 7 जवान घायल हुए थे।

सीएम के कार्यक्रम...

पुलिस अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। लखनऊ पुलिस की ओर से मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा एवं यातायात संबंधी तैयारियां की जा रही हैं।

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था, 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

तलाक के बाद शराब की लत लगी : चहल

बयान

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे।

36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था।

चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था। चहल के मुताबिक, इस फैसले से उनकी निजी जिंदगी में बड़ा



युजवेंद्र चहल और उनकी एक्स वाइफ धनश्री की मास्क वाली फोटोज 20 मार्च 2025 की हैं। जब चहल और धनश्री फैमिली कोर्ट में फैसले के लिए पहुंचे थे। इसी दिन तलाक को मंजूरी मिली थी।

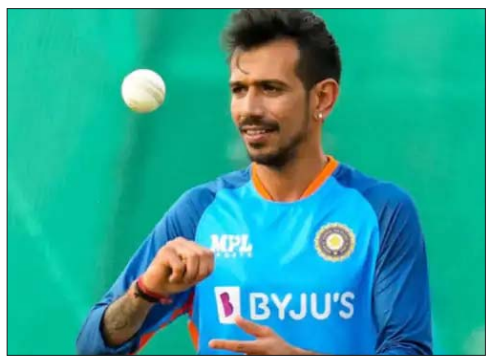
बदलाव आया। उनकी समझ बढ़ी और भावनाएं संतुलित हुईं। उन्होंने कहा, "पिछले IPL में मेरा शरीर फिर 30 साल का महसूस हो रहा था। मैं जिम कर रहा था, फील्डिंग ड्रिल कर रहा था और ठीक से ट्रेनिंग कर रहा था।'

पैनिक अटैक में होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल

चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंग्जायटी में दिल की धड़कन तेज हो जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाता था। चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि IPL पर ध्यान देते हैं।'

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल

चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत में मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला IPL खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, 'जिंदगी में संतुलन जरूरी है।' चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपनाना आसान नहीं होता।



चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

चहल ने कहा- कठिन समय में दोस्त और परिवार हमेशा साथ रहा

आकाश चोपड़ा ने चहल से पूछा कि निजी जिंदगी की परेशानियों के दौरान उनके साथ कौन था। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में भावनात्मक चोट, पेशेवर जिंदगी के संकट से अलग होती है। चहल ने जवाब दिया, 'मेरे सबसे अच्छे दोस्त और परिवार मेरे साथ थे।' शराब छोड़ने पर चहल ने कहा, 'पिछले साल काउंटी क्रिकेट के बाद मैंने शराब छोड़ने का फैसला किया। बात हद से ज्यादा बढ़ गई थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने रिहैब सेंटर में दाखिला लिया और 26 दिन वहां रहा। अब मुझे पता है कि इसे कैसे संभालना है।'

> चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं। मेरी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।' उन्होंने कहा, 'मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं इसी रास्ते पर चलता रहा, तो जिस चीज से मुझे सबसे ज्यादा प्यार है, उस क्रिकेट को बर्बाद कर दूंगा।'

4 साल में चहल-धनश्री की शादी टूटी

(रिश्ते की टाइम लाइन)



- **जून 2020** : लॉकडाउन के दौरान चहल और धनश्री की मुलाकात हुई। डांस क्लास के दौरान दोनों में प्यार हो गया।
- **दिसंबर 2020** : चहल और धनश्री ने शादी कर ली। दोनों ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को शादी की जानकारी दी थी।
- **जून 2022** : दोनों के बीच रिश्ते खराब हो गए। तलाक की खबरें पहले सोशल मीडिया पर आईं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया था।
- **फरवरी 2025** : मुंबई की फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी लगाई। फैमिली कोर्ट ने छह महीने के कूलिंग ऑफ पीरियड का समय दिया। इसके खिलाफ चहल ने हाईकोर्ट में अपील की थी।
- **मार्च 2025** : बॉम्बे हाईकोर्ट ने चहल की याचिका पर फैमिली कोर्ट को 20 मार्च को फैसला सुनाने का आदेश दिया था। 4.75 करोड़ रुपए की एलिमनी पर सेटलमेंट हुआ और दोनों का तलाक हो गया।

पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें : संजय मांजरेकर

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नई दिल्ली। 'मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।' यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पोस्ट के जरिए कही।

मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों



से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- 'फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।'

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि 'यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी।' उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे। संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं।

मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए।

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई

नई दिल्ली। BCCI के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने BCCI से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।' चेतन ने कहा कि इंटर-नेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया। चेतन शर्मा ने जमीनी स्तर पर टी-20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए रेड-बॉल क्रिकेट को जरूरी बताया।

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोलपाने पर चिंता जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।'

बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं।

बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म X पोस्ट में अपनी बात रखी।



जब एथलीट्स को लगता है कि वे खुलकर नहीं बोल सकते, तो समय के साथ इससे कहीं ज्यादा गंभीर समस्या पैदा होती है। वे धीरे-धीरे अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं। ऐसा होने पर खेलों में उत्कृष्टता के लिए जरूरी कुछ खो जाता है। देश को ऐसे एथलीट्स चाहिए, जो अपने काम, कोच, उन्हें सुझाए गए तरीकों और उनके आसपास मौजूद व्यवस्थाओं पर सवाल करें। यह विरोध के लिए नहीं, बल्कि सच में सुधार की इच्छा से होना चाहिए।

> 44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं।
>
> सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

4 पॉइंट्स में अभिनव बिंद्रा की बात

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया। मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'

मनोरंजन

एक्टर यश को 'बॉस' कहकर पुकारा, 'जय श्री राम' बोलकर की स्पीच की शुरुआत

रणबीर कपूर ने कन्नड़ में की बात, फिर मांगी माफी

नई दिल्ली। बेंगलुरु में नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' के दूसरे ट्रेलर का लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम रणबीर कपूर ने 'जय श्री राम' के नारे से अपना भाषण शुरू किया और कन्नड़ भाषा में बोलकर वहां मौजूद लोगों का सम्मान किया। वहीं रणबीर ने साउथ सुपरस्टार यश को 'यश बॉस' कहकर संबोधित किया। इवेंट में रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह और निर्देशक नितेश तिवारी मौजूद रहे। निर्माताओं की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, 'रामायण'



दो हिस्सों में रिलीज की जाएगी। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगा। पहले भाग में भगवान राम और रावण की कहानियां अलग-अलग चलेंगी, जिससे इस पार्ट में दोनों का आमना-सामना नहीं होगा। वहीं, दोनों के बीच होने वाले ऐतिहासिक युद्ध के दृश्य अगले साल दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाले दूसरे पार्ट में दिखाए जाएंगे।

यश ने फैंस से एकजुट होने के लिए कहा

अपने संबोधन के दौरान अभिनेता यश ने लोगों से आपसी भेदभाव भूलकर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम 'बांटो और राज करो' की तरह आपस में ही लड़ते रहे, तो दुनिया का मुकाबला कभी नहीं कर पाएंगे।

यश ने कन्नड़भाषियों और पूरे दक्षिण भारत के दर्शकों से 'रामायण' फिल्म का समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा कि जब नीयत सही हो, तो सभी को साथ खड़े होना चाहिए। भारतीय संस्कृति में भगवान राम के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने लोगों से इस पौराणिक गाथा को बड़े पर्दे पर देखने का आग्रह किया।

> इवेंट में जब रणबीर कपूर स्टेज पर पहुंचे तो उन्होंने 'जय श्री राम' बोलकर अपने भाषण की शुरुआत की फिर कन्नड़ भाषा में बोलना शुरू किया। थोड़ी कन्नड़ बोलने के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए जनता से माफी भी मांगी।
> रणबीर ने अपने अंदाज में कहा कि इस बार वे इतनी ही भाषा सीखकर आ पाए हैं और अगली बार 'यश बॉस' से थोड़ी ज्यादा कन्नड़ सीखकर आएंगे।



रजनीकांत की 'जेलर 2' ने पहले दिन 125 करोड़ कमाए

वर्ल्डवाइड ओपनिंग में 'एनिमल' का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की एक्शन-ड्रामा फिल्म 'जेलर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड ब्रेकिंग शुरुआत की है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने 15 अक्टूबर को रिलीज के पहले दिन भारत में 59.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने देश भर में 16,599 शो से 70.25 करोड़ रुपए का डोमेस्टिक ग्रॉस और 55 करोड़ रुपए का ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का पहले दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 125.25 करोड़ रुपए पहुंच गया है

विदेशों में कमाई के मामले में 'जेलर 2' ने इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर 2' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 'धुरंधर 2' ने पहले दिन ओवरसीज में 52 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि 'जेलर 2' ने 55 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। वहीं, 125.25 करोड़ रुपए के कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ इसने रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' (116 करोड़ रुपए वर्ल्डवाइड ओपनिंग) का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म को पहले दिन सिनेमाघरों में करीब 37.46 लाख (3,746,734) दर्शक मिले।



पाकिस्तानी फैन चाकू लिए घर में घुसा, पिता को हार्ट अटैक आया, जन्म से पहले मां ने रखा नाम

78 की हुई हेमा मालिनी

मुंबई, एजेंसी

16 अक्टूबर 1948

आज से 78 साल पहले तमिलनाडु के अम्मानकुड़ी में जया लक्ष्मी प्रसव के आखिरी चरण में थीं। दो बेटे पहले से थे, तो तीसरे बच्चे के जन्म से पहले ही उन्होंने पति वी.एस.आर.चक्रवर्ती से कहा- 'देखना, बेटी ही होगी। मैं उसका नाम हेमा मालिनी रखूंगी, जो बड़ी होकर क्लासिकल डांसर बनेगी।'

कमरे में दुर्गा, सरस्वती के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए।

जया लक्ष्मी की कही बात सच साबित हुई, अस्पताल में किलकारी गूंजी, बेटी हुई थी। नाम रखा गया हेमा मालिनी, जिसे आज पूरा देश ड्रीम गर्ल के नाम से भी जानता है।

मां के फैसले के अनुसार, हेमा मालिनी पहले क्लासिकल डांसर बनीं और फिर हीरोइन, लेकिन यही स्टारडम वजह रहा कि उन्होंने अपने पिता को खो दिया। वजह रही एक पाकिस्तानी फैन का घर में घुसना और फिर किचन नाइफ से दहशत फैलाना।



तुम हसीन मैं जवां फिल्म के टाइटल सॉन्ग की झलक।

हेमा मालिनी ने होश संभाला ही था कि मां ने उनका दाखिला क्लासिकल डांसिंग में करवा दिया। खेल-कूद की कोई गुंजाइश ही नहीं थी। स्कूल से लौटते ही हेमा कभी डांस क्लास, तो कभी सिंगिंग क्लास जातीं। कोई टीचर सिखाने में कोताही बरतता, तो मां तुरंत क्लासेस बदल देतीं। कुछ सालों बाद परिवार दिल्ली आकर बसा। क्लासिकल डांस की ट्रेनिंग यहां भी जारी रही। हर आम बच्चे की तरह हेमा भी दिनभर खेलना चाहती थीं, लेकिन मां ने कुछ अलग सोच रखा था।

वो हेमा के बालों में तेल डालकर चोटी बनातीं, बालों में फूल लगातीं, आंखों में काजल। टिपिकल मद्रासी लड़की की तरह घाघरा चोली पहनातीं। मां उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनना और हाव-भाव की सीख देतीं।

जब इस तरह वो कभी दिल्ली की सड़कों पर निकलतीं, तो आसपास से गुजरने वाले लोग उनका मजाक उड़ाते। हेमा इससे नाराज होतीं, तो मां कहतीं- 'वह तुम्हें साउथ इंडियन कहते हैं, तो इसमें हर्ज क्या है, तुम साउथ इंडियन ही हो।' कुछ साल बीते ही थे कि क्लासिकल डांस ट्रेनिंग सही ढंग से न मिल पाने के डर से जया लक्ष्मी ने पति से साफ कह दिया कि वह अपना ट्रांसफर मद्रास करवा लें। परिवार मद्रास आ गया। जल्द ही हेमा स्टेज शोज करने लगीं।

एक ऐसे ही स्टेज शो में 13 साल की हेमा पर तमिल डायरेक्टर सीवी श्रीधर की नजर पड़ी। उन्होंने झट से हेमा को अगली फिल्म में कास्ट कर लिया। शूटिंग शुरू हुई। हेमा बड़े उत्साह के साथ 2 दिनों तक शूटिंग के सेट पर गईं। डायरेक्टर उनके नाम से नाखुश थे। सुझाव मिला कि नाम हेमा मालिनी की जगह सुजाता रख लिया जाए। फिर तीसरे दिन उन्हें ये कहकर फिल्म से निकाल दिया गया कि तुम बहुत दुबली-पतली हो, कभी हीरोइन नहीं बन पाओगी।13 साल की बच्ची के लिए ये रिजेक्शन काफी भावुक रहा। मां ने तब मनोबल बढ़ाते हुए कहा- ये बस एक चैलेंज है, जिसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। हेमा फिर मंच पर लौट गईं।

कुछ समय बाद 1963 की फिल्म इंदु साथियम में हेमा मालिनी को एक गाने में डांस करने का मौका मिला। इसके बाद उन्हें कई तमिल फिल्मों में छोटे रोल दिए जाने लगे।



कोकीन के नशे में बेहोश मिली थी, 3 साल के बच्चे को अकेला छोड़ दिया था

यूएई शाही परिवार की बहू को रिहैब कैंप भेजा गया

सजा

लंदन, एजेंसी

UAE के शाही परिवार से जुड़ी 32 साल की महराह अल नाहयान को लंदन में बच्चे की देखभाल में लापरवाही के मामले में सजा सुनाई गई है। उन्हें दो साल तक रिहैब कार्यक्रम में शामिल होना होगा। साथ ही करीब 7.7 लाख रुपये का जुर्माना भी भरना पड़ेगा।

यह मामला 13 जून का है। उस दिन महराह पश्चिमी लंदन की एक सड़क पर बेहोश मिली थीं। उनके पास उनका 3 साल का बच्चा बिना जूते पहने स्कूटर से खेल रहा था। बच्चा व्यस्त सड़क पर चल रही गाड़ियों के करीब था। कोर्ट में महराह ने माना कि उन्होंने कोकीन का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने महराह के बैग की तलाशी ली। उसमें नशे के इस्तेमाल से जुड़ा सामान मिला, लेकिन कोई गैरकानूनी नशीला पदार्थ नहीं मिला। मंगलवार को लंदन के साउथवार्क क्राउन कोर्ट में महराह ने बच्चे की देखभाल में लापरवाही करने का जुर्म कबूल किया। जज जेरेमी जॉनसन ने कहा कि जब महराह बेहोश थीं, तब बच्चे की जान को खतरा था। जज के मुताबिक, बच्चा सड़क पर भटक सकता था, खो सकता था या कोई अनजान व्यक्ति उसे नुकसान पहुंचा सकता था। इस घटना से बच्चा डर भी सकता था।



अबू धाबी के शाही परिवार की बहू 13 जून को लंदन की सड़क पर बेहोश मिली थी।

सड़क किनारे 30 मिनट तक बेहोश पड़ी रहीं

कोर्ट में बताया गया कि 13 जून को महराह लोहे की रेलिंग के सहारे बेहोश पड़ी थीं। उनके पास ही एक अन्य व्यक्ति भी बेहोश था। वहीं, उनका 3 साल का बच्चा अकेले खेल रहा था।

वहां से गुजर रहे लोगों ने बच्चे को अकेला देखा तो उसकी मदद के लिए आगे आए। उन्होंने पुलिस के पहुंचने तक बच्चे को अपने पास रखा। इस दौरान एक व्यक्ति ने घटना का वीडियो भी बनाया था। कोर्ट के मुताबिक, महराह करीब 30 मिनट तक बेहोश रहीं। होश आने पर उन्होंने लोगों से पूछा कि वे इतनी चिंता क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "यह कोई कत्लखाना नहीं है। आपको इतनी परवाह क्यों है? आप इतने परेशान क्यों हैं?"

वकील ने कहा- घटना वाले दिन नशा नहीं किया था

कोर्ट में बताया गया कि महराह ने बेहोश मिलने से पहले के कुछ दिनों में कोकीन ली थी। हालांकि, उनके वकील स्टीफन वुलो ने कहा कि उन्होंने घटना वाले दिन नशा नहीं किया था। वकील के मुताबिक, पिछले दिनों नशा करने के कारण वह बहुत थक गई थीं। वकील ने कोर्ट को बताया कि महराह को अपनी गलती का पछतावा है और वह नशे की लत छोड़ना चाहती हैं। वह तीन महीने का इलाज करा रही थीं, जो अक्टूबर के आखिर तक पूरा होना था।

घटना के बाद से महराह सरे के वोकिंग इलाके में प्रायरी क्लिनिक में नशे की लत का इलाज करा रही हैं। इलाज के बाद उनकी गिल्डफोर्ड इलाके में घर किराए पर लेने की योजना है। वहां वह दिन में इलाज कराएंगी और नशे की लत छोड़ने में मदद करने वाले समूह नारकोटिक्स एनोनिमस की बैठकों में शामिल होंगी।



महराह के कुछ दूर एक आदमी भी नशे में सड़क किनारे बेहोश मिला था।

यात्रियों को महंगे फ्लाइट टिकटों से मिलेगी राहत

मनमाने किराए को कंट्रोल करने के नए नियम फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी

यात्रियों को महंगे फ्लाइट टिकटों से जल्द ही राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार, 16 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने एयरलाइंस के मनमाने किराए को कंट्रोल करने के लिए नए नियमों को फाइनल कर लिया है। सरकार दो हफ्ते में इन नए नियमों को जारी करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि जारी नियमों को 16 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर कोर्ट के सामने पेश किया जाए। इस फैसले का सीधा असर शेयर बाजार पर भी दिखा। इंडिगो एयरलाइन को चलाने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में आज 2% की गिरावट आई। सुप्रीम कोर्ट में प्राइवेट एयर-लाइंस की ओर से वसूले जाने वाले मनमाने किराए को लेकर दायर एक जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई चल रही थी। सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस अपारेश सिंह की बेंच को नए नियमों की स्थिति बताई। सॉलिसिटर जनरल ने बेंच से कहा कि हवाई किराए को कंट्रोल करने के नियमों को फाइनल कर दिया गया है और इन्हें सरकारी मंजूरी भी मिल चुकी है। इन नियमों को अगले दो हफ्तों के भीतर पब्लिश कर दिया जाएगा। इसके बाद कोर्ट ने मामले को 16 नवंबर को सुनवाई के लिए लिस्टेड करते हुए सरकार को पब्लिश नियमों को सामने रखने का आदेश दिया।



फास्ट न्यूज

अमेरिका: भारतीय मूल के पति की हैवानियत

वाशिंगटन। अमेरिका के शिकागो से एक बेहद खौफनाक मामला सामने आया है। यहां भारतीय मूल के एक 31 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी 32 वर्षीय अलग रह रही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की वजह यह थी कि महिला ने अपने एक पूर्व सहकर्मी के साथ रिश्ते में होने की बात कही और उसके साथ दोबारा साथ रहने से साफ इनकार कर दिया था।

पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 5 गुना बढ़ी, 2.50 हुई

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर 5 गुना टैक्स बढ़ा दिया है। वहीं, डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को लगभग आधा कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने देश में फ्यूल की कमी न हो इसलिए नई दरें आज यानी 16 अक्टूबर से लागू कर दी हैं। नए टैक्स अगले दो हफ्तों तक लागू रहेंगे। इस टैक्स का असर सिर्फ विदेश बेचे जाने वाले पेट्रोल-डीजल पर पड़ेगा। हमारे देश के पेट्रोल पंपों पर मिलने वाले पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बदलेंगे।

इंटरनेट सनसनी 'जैकी' की मौत के कारण का खुला राज

वाशिंगटन। कैलिफोर्निया में वन्यजीव प्रेमियों और इंटरनेट की दुनिया की मशहूर गिद्ध प्रजाति का बाज 'जैकी' की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई थी। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फिश एंड वाइल्डलाइफ ने हाल ही में इसकी पुष्टि करते हुए एक प्रेस रिलीज जारी की है। बता दें कि जैकी की मौत पिछले साल अगस्त में हुई थी।

कॉम्पिटीशन से कभी नहीं डरे, स्टारलिंक का स्वागत : रिलायंस

मुंबई, एजेंसी

सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस 'स्टारलिंक' की भारत में एंट्री को लेकर चल रहे विवाद के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को कहा कि वह कॉम्पिटिशन से नहीं डरते। कंपनी ने X पर पोस्ट कर कहा कि असली मुकाबला वही है, जिससे यह पता चले कि सबसे अच्छी सर्विस कौन दे रहा है।

कंपनी ने यह बयान इलॉन मस्क की ओर से लगाए गए उन आरोपों के बाद जारी किया, जिनमें उन्होंने भारतीय टेलिकॉम कंपनियों पर स्टारलिंक का रास्ता रोकने का दावा किया था।

इलॉन मस्क भारत में स्टारलिंक की लॉन्चिंग में हो रही देरी को लेकर पिछले कुछ दिनों से नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इस देरी के लिए वो रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को जिम्मेदार बता रहे हैं और उनके खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं।



मस्क का आरोप था- मुकेश अंबानी ने भारत में कंपनी की एंट्री रुकवाई

हाल ही में मस्क ने अपने एक पोस्ट में मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए उन्हें 'प्राइम मिनिस्टर अंबानी' लिखा था। इस पोस्ट में उन्होंने अंबानी को भारत का रियल बॉस बताया था।

मस्क की पोस्ट के बाद कुछ लोगों ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे सस्ता और तेज इंटरनेट मौजूद है। यहां सिर्फ 300-400 महीने में 60GB डेटा मिल जाता है, जो दूरदराज के गांवों में भी बेहतरीन काम करता है।

12 मिनट तक पूरे जापान में अफरातफरी रही, फिर मौसम एजेंसी ने माफी मांगी

रूस में 7 तीव्रता का भूकंप

कामचटका, एजेंसी

रूस के कामचटका प्रायद्वीप में शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे 7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

इसके कुछ देर बाद जापान की मौसम एजेंसी ने गलती से 9.9 तीव्रता के भूकंप की चेतावनी जारी कर दी। इससे देशभर में अफरात-फरी मच गई।

हालांकि, एजेंसी ने करीब 12 मिनट बाद अलर्ट वापस ले लिया। जापान की मौसम एजेंसी ने इस गलती के लिए माफी मांगी है।

यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में कामचटका में 1200 से ज्यादा भूकंप दर्ज किए गए थे। इनमें से अधिकांश छोटे-मोटे (मैग्निट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप हुए। इस क्षेत्र में पिछले साल 3 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए थे। साल 2025 का सबसे विनाशकारी भूकंप जुलाई को रूस के कामचटका में पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.8 मापी गई। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे बड़ा झटका था। इसने कई देशों को प्रभावित किया। कामचटका प्रशांत महासागर के उस इलाके में है, जिसे 'रिंग ऑफ फायर' कहा जाता है। यह प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला ऐसा क्षेत्र है, जहां दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप आते हैं और ज्वालामुखी फटते हैं। कामचटका में बार-बार भूकंप आने की मुख्य वजह जमीन के नीचे मौजूद विशाल प्लेटों की हलचल है। यहां प्रशांत प्लेट धीरे-धीरे ओखोत्स्क प्लेट के नीचे खिसक रही है। इस प्रक्रिया को सबडक्शन कहते हैं। दोनों प्लेटों के बीच घर्षण से चट्टानों में दबाव जमा होता रहता है। जब यह दबाव अचानक बाहर निकलता है, तो भूकंप आता है। प्लेटों की इसी हलचल से जमीन के नीचे गर्म पिघला हुआ पदार्थ बनता है, जिसे मैग्मा कहते हैं। यह बाहर निकलता है तो ज्वालामुखी फटता है। यहां कई सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं। समुद्र के नीचे तेज भूकंप आने पर सुनामी का खतरा भी रहता है। इस इलाके में जमीन के नीचे प्लेटों की हलचल लगातार जारी रहती है। इसलिए यहां भविष्य में भी भूकंप आने की आशंका बनी रहेगी।



जापान के भूकंप अलर्ट में इतनी बड़ी गलती कैसे हुई?

जापान की भूकंप चेतावनी प्रणाली जमीन पर लगे सेंसर से मिले शुरुआती आंकड़ों के आधार पर भूकंप की तीव्रता और उसके असर का अनुमान लगाती है। यह काम कुछ ही समय में किया जाता है। शुरुआत में आंकड़े अधूरे होने के कारण अनुमान गलत हो सकता है। लेकिन इस बार 9.9 तीव्रता का अलर्ट जारी करना बड़ी चूक थी। इतनी तीव्रता का भूकंप अब तक दर्ज नहीं किया गया है।



जापान में भूकंप के अलर्ट के बाद लोग सड़कों पर बैठ गए।

इनके पास पूरे कागजात नहीं, पकड़े जाने का डर फल-सब्जियों के दाम बढ़ने की आशंका

अमेरिका में 30 हजार भारतीय मजदूरों ने काम छोड़ा

लंदन, एजेंसी

अमेरिका के कैलिफोनिया में करीब 30 हजार भारतीय मजदूरों को खेती का काम छोड़ना पड़ा है। इनमें से कई मजदूरों के पास अमेरिका में रहने और काम करने के पूरे कागजात नहीं हैं।

ऐसे में इमिग्रेशन एजेंसी ICE के छापों और पकड़े जाने के डर से मजदूर काम करने से बच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इससे फल और सब्जियों के दाम 30% से 32% तक बढ़ सकते हैं।

कैलिफोर्निया में प्रवासियों को देश से निकालने की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग। तस्वीर 2 दिसंबर 2024 की है।

कैलिफोर्निया में प्रवासियों को देश से निकालने की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग। तस्वीर 2 दिसंबर 2024 की है।

अमेरिका में एक लाख भारतीय मजदूर खेती का काम करते हैं

अमेरिका में बिना जरूरी कागजात के रह रहे करीब 7.5 लाख भारतीयों में से लगभग एक लाख खेती से जुड़े काम करते हैं।

ICE की छापेमारी के चलते कैलिफोर्निया से लेकर कैंसस तक कई जगह खेतों में मजदूरों की कमी देखी जा रही है।

वहीं ट्रम्प अवैध प्रवासियों को देश से निकालने की कार्रवाई को अपनी बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं।

अमेरिका में जरूरी कागजात के बिना रह रहे लोगों को भी कुछ कानूनी अधिकार मिले हैं। लेकिन कई प्रवासियों के लिए इन अधिकारों का इस्तेमाल करना मुश्किल हो गया है। कई प्रवासियों के पास वकील के पैसे नहीं हैं। ऐसे में उन्हें अपनी बात रखने का पूरा मौका मिले बिना ही अमेरिका से निकाला जा सकता है। पॉलिटिको की रिसर्च के मुताबिक, 40 से ज्यादा अदालतें करीब 5 हजार प्रवासियों के पक्ष में फैसला सुना चुकी हैं। इसके बावजूद सरकार इन प्रवासियों को इमिग्रेशन वकील नहीं दे रही है।



कैलिफोर्निया में हजारों लोग हिरासत में

कैलिफोर्निया में डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार है। ट्रम्प ने राज्य सरकार पर अवैध प्रवासियों को बचाने का आरोप लगाया है। इसके बाद ट्रम्प ने ICE को वहां कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो महीनों में हजारों खेत मजदूरों को पकड़कर हिरासत केंद्रों में रखा गया है। कुछ लोगों को देश से निकाला भी गया है।

यूरोप में युवाओं पर बुजुर्ग भारी पड़ रहे



पेंशन पर सरकारी खजाना खर्च जेनजी नौकरी-घर और अच्छी शिक्षा मांग रहे

पेरिस, एजेंसी

पिछले कुछ सालों में Gen Z यानी युवा पीढ़ी एक बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है। बांग्लादेश, नेपाल, पेरू और मेडागास्कर में युवाओं के प्रदर्शनों ने सरकारें गिरा दीं। भारत में भी कई प्रदर्शनों में युवाओं की अहम भूमिका रही है।

अब यूरोप में भी युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की बदहाली, स्पेन में बेरोजगारी और ब्रिटेन में पेंशन नीतियों को लेकर नाराजगी है। युवाओं के लिए नौकरी पाना, अच्छी शिक्षा हासिल करना और सस्ता घर खरीदना मुश्किल होता जा रहा है।

यूरोप में इस मुश्किल ने युवाओं और बुजुर्गों के बीच आर्थिक और राजनीतिक टकराव बढ़ा दिया है।



बुजुर्गों की आबादी बढ़ने के साथ राजनीति में उनका प्रभाव भी मजबूत हुआ है। वहीं, युवाओं की संख्या घट रही है। ऐसे में उनके लिए अपनी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाना और मुश्किल हो रहा है। फ्रांस में युवाओं के सामने नौकरी की कमी है। बेरोजगारी 20% पहुंच चुकी है। इस साल दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था की ग्रोथ शून्य रही। दूसरी तरफ, सरकार के कुल खर्च का करीब 25% पेंशन पर जाता है। यानी बजट का बड़ा हिस्सा बुजुर्गों की पेंशन में खर्च हो रहा है। कुछ साल पहले राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रिटायरमेंट की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 साल करने का फैसला किया था। इसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुए और सरकार को फैसला निलंबित करना पड़ा। अब पक्ष हो या विपक्ष कोई भी पेंशन में कटौती को लेकर चर्चा भी नहीं करता।

युवा चाहते हैं कि स्कूलों की हालत सुधरे और शिक्षा पर ज्यादा पैसा खर्च हो। वामपंथी नेताओं का तर्क है कि पेंशन बचाते हुए शिक्षा का बजट भी बढ़ाया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि पैसा आएगा कहां से? फ्रांस पर पहले से भारी कर्ज है, और अमीरों पर ज्यादा टैक्स लगाने से भी सरकार को खास कमाई नहीं हुई है।

वारदात : इनमें 3 बच्चे, स्थानीय नागरिक ने हमलावर को मार गिराया इस साल स्कूलों में फायरिंग का 26वां मामला

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी, 4 की मौत

लंदन, एजेंसी

अमेरिका के ओरेगन राज्य के बेंड शहर में गुरुवार को एक स्कूल में गोलीबारी हुई। इसमें 3 बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई।

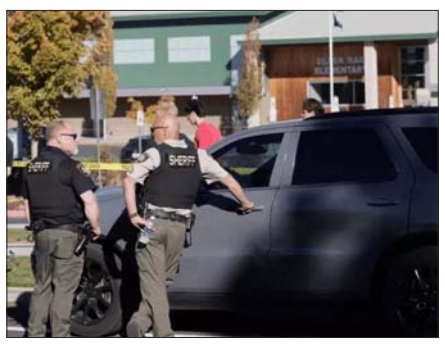
CNN के मुताबिक, हमलावर को एक स्थानीय नागरिक ने गोली मार दी, इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर की उम्र करीब 16 साल थी।

एजुकेशन वीक की रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल में गोलीबारी का यह इस साल का 26वां मामला है।

रॉयटर्स के मुताबिक, सिल्वर रेल एलीमेंट्री स्कूल में किंडरगार्टन से पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई होती है। स्कूल में करीब 450 छात्र और 40 कर्मचारी हैं।

ओरेगन की गवर्नर टीना कोटेक ने हमलावर को रोकने वाले स्थानीय नागरिक से भी बात की। गवर्नर ने उस नागरिक की तारीफ करते हुए कहा कि उसने बहादुरी से लोगों की जान बचाई। 19 अप्रैल, लुइसियानाः श्रेवपोर्ट में गोलीबारी में 8 बच्चों की मौत हुई। इनमें हमलावर के 7 बच्चे शामिल थे।

9 अक्टूबर, पेंसिल्वेनियाः एरी में एक व्यक्ति ने परिवार के 7 सदस्यों और एक परिचित की हत्या कर दी। बाद में उसने खुदकुशी कर ली। 9 अक्टूबर, जॉर्जियाः डगलस में एक व्यक्ति ने परिवार के 4 सदस्यों की गोली मारकर हत्या की और फिर खुदकुशी कर ली।





एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया पर बताया कि एजेंसी की टीम घटनास्थल पर मौजूद है। फिलहाल जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या हमलावर पहले कभी इस स्कूल में पढ़ा था। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है। आने वाले दिनों में घटना से जुड़ी और जानकारी जारी की जाएगी।

मारे गए बच्चे 5 से 11 साल के थे

एसोसिएटेड प्रेस (AP) के मुताबिक, मारे गए बच्चों की उम्र 5, 8 और 11 साल थी। मरने वालों में एक शिक्षक भी शामिल है। इनके परिवारों को जानकारी दे दी गई है। गोलीबारी में घायल 7 साल के एक बच्चे और 54 साल के शिक्षक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रमुख माइक क्रांट्ज ने बताया कि हमलावर बेंड का रहने वाला था। उसने स्कूल के बंद दरवाजों पर गोली चलाकर अंदर घुसने का रास्ता बनाया था।

सोना आज 572 रुपए महंगा, 1.47 लाख पहुंचा

चांदी 2 हजार चढ़कर 2.10 लाख पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज 16 अक्टूबर को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 572 रुपए चढ़कर 1,46,514 रुपए पहुंच गया है।

इससे पहले 15 अक्टूबर को यह 1,45,942 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 2,037 रुपए चढ़कर 2.10 लाख रुपए पर हो गई है, जो गुरुवार को 2.08 लाख रुपए पर थी। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।



लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसि-एशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 13,319 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी 20,108 रुपए सस्ती हुई है।

31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए था, जो अब 1.47 लाख रुपए पहुंच गया है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96